■ ज्येष्ठ कृष्ण - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 285 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 15-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 धर्म, न्याय और राष्ट्र धर्म का सजीव रूप हैं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर : आदित्यनाथ

6 प्रधानमंत्री मोदी का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

7 तनाव से पसरी खामोशी मिटेगी और शांति कायम होगी : आलिया भट्ट

फर्स्ट टेक

उप्र में अब तक 225 'अवैध' मदरसे और 30 मस्जिदें ध्वस्त की गईं

लखनऊ/भाषा। नेपाल की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में बुधवार को भी अनधिकृत धार्मिक संरचनाओं और अवैध अतिक्रमणों पर कार्रवाई जारी रही। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, जारी अभियान के तहत महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में एक बार फिर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। बुधवार को ही महराजगंज में दो और श्रावस्ती एवं बहराइच में एक-एक जगह पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। बयान में कहा गया है कि अब तक भारत-नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर के भीतर स्थित 225 अवैध मदरसे, 30 मस्जिद, 25 मजार और छह ईदगाहों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

ट्रंप प्रशासन ने एआई चिप के निर्यात पर बंदिश लगाने वाला नियम हटाया

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने जो बाइडन काल के उस नियम को निरस्त कर दिया है जिसमें संघीय अनुमोदन के बिना कुछ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात होने वाली कृत्रिम मेधा (एआई) चिप की संख्या पर बंदिशें लगाई गई थीं। पिछले राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में जारी यह नियम बृहस्पतिवार से प्रभावी होने वाला था। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इसे निरस्त कर दिया है। वाणिज्य विभाग ने एक मार्गदर्शन में कहा, ''इन प्रावधानों ने अमेरिकी नवाचार को रोक दिया होगा और कंपनियों पर नई नियामकीय शर्तों के कारण बोझ बढ़ गया होगा।'' वाणिज्य विभाग में उप मंत्री जेफरी केसलर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन अब निरस्त नियम को बदलने के लिए काम कर रहा है।

संशोधित वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई आज

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। पहले पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। हालांकि, न्यायमूर्ति खन्ना 13 मई को पद से सेवानिवृत्त हो गए। शीर्ष अदालत ने 17 अप्रैल को केंद्र सरकार का आश्वासन दर्ज किया था कि वह पांच मई तक वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ की संपत्तियों को न तो गैर-अधिसूचित करेगी और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्ड में कोई नियुक्ति करेगी।

15-05-2025 सूर्यास्त 6:27 बजे	16-05-2025 सूर्योदय 5:43 बजे

BSE	NSE
81,330.56 (+182.34)	24,666.90 (-346.35)

सोना	चांदी
9,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	109,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ फिर से

लो खत्म हो गया युद्ध पुनः,
आओ हम जाति-जाति खेलें।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
अपने-अपने दावे पेलें।
इस देश भक्ति की बारिश से,
सरसाई फिर सूखी बेलें।
बदला सेना ने लिया मगर,
बदले में चलो वोट ले लें।।

मार्च 2026 तक नक्सलवाद से भारत का मुक्त होना तय : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- जिन पहाड़ियों पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां अब तिरंगा शान से लहरा रहा है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ियों में 31 कुख्यात नक्सलियों को ढेर करके देश को नक्सल मुक्त बनाने के संकल्प की दिशा में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

शाह ने 'एक्स' पर लिखा, ''मैं एक बार फिर देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत निश्चित रूप से नक्सल मुक्त होगा।''

गृह मंत्री ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियान में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टा पहाड़ियों में 31 कुख्यात नक्सली मारे गए। उन्होंने कहा कि जिन पहाड़ियों पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां अब तिरंगा शान से लहरा रहा है।

गृह मंत्री ने कहा कि करेंगुट्टा पहाड़ियां में बड़े नक्सली संगठनों जैसे पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर एक, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी), तेलंगाना राज्य समिति (टीएससी) और केंद्रीय क्षेत्रीय समिति (सीआरसी) का एकीकृत मुख्यालय था, जहां नक्सलियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी विकसित किए जाते थे। उन्होंने कहा, ''हमारे सुरक्षा बलों ने इस सबसे बड़े नक्सल रोधी अभियान को मात्र 21 दिनों में पूरा कर लिया और मुझे बेहद खुशी है कि इस अभियान में सुरक्षा बलों का एक भी जवान हताहत नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), एसटीएफ और डीआरजी के जवानों को बधाई देता हूं जिन्होंने खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में भी अपनी बहादुरी और साहस के साथ नक्सलियों का सामना किया। पूरे देश को आप पर गर्व है।''

पाकिस्तान ने 21 दिन बाद बीएसएफ जवान को भारत के सुपुर्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को क्रमश: सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा बंधक बनाए गए एक-एक जवान को दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक दूसरे के सुपुर्द किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान ने बीएसएफ के जवान पूर्णम कुमार शॉ को पंजाब में अटारी-वाघा सीमा पर भारत को सौंप दिया। उन्हें पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को पाकिस्तान रेंजर्स ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़ लिया था। अधिकारियों ने कहा कि वहीं, पाकिस्तान के एक रेंजर को उसके हवाले कर दिया गया जिसे बीएसएफ ने तीन मई को राजस्थान में सीमा क्षेत्र से पकड़ा था।

बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान रेंजर्स ने सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल शॉ को अमृतसर जिले में अटारी स्थित संयुक्त जांच चौकी पर (पाकिस्तान में वाघा सीमा के सामने) उसके हवाले कर दिया। बीएसएफ ने शॉ की एक तस्वीर जारी की जिसमें उन्हें दाढ़ी, मूंछ और बिखरे बालों के साथ देखा जा सकता है। वह गोल गले की हरे रंग की टीशर्ट पहने हुए हैं।

बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा, ''आज सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को अटारी-वाघा सीमा पर पाकिस्तान द्वारा बीएसएफ के सुपुर्द कर दिया गया है।'' प्रवक्ता ने कहा कि शॉ 23 अप्रैल को फिरोजपुर सेक्टर में अभियान संबंधी ड्यूटी करते हुए पूर्वाह्न करीब 11.50 बजे अनजाने में पाकिस्तान के क्षेत्र में चले गए थे और पाक रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जवान की पूरे शरीर की जांच और मेडिकल परीक्षण किया जाएगा जिसके बाद उनकी काउंसलिंग होगी और 'डीब्रीफिंग' सत्र में बीएसएफ के अधिकारी उन्हें रेंजर्स द्वारा 21 दिन तक पकड़कर रखने के बारे में 'प्रासंगिक प्रश्न' पूछेंगे।

अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास 'व्यर्थ एवं बेतुके' : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों को ''व्यर्थ एवं बेतुकी'' बताकर सिरे से खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के प्रयासों से यह ''निर्विवाद'' सच्चाई नहीं बदलेगी कि यह राज्य ''भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।'' भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के लिए चीन द्वारा उसके नामों की घोषणा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की है। चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने देखा है कि चीन ने भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम इस तरह के प्रयासों को अपने सैद्धांतिक रुख के अनुरूप स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं।''

जायसवाल ने इस मुद्दे पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, ''नए नाम रखने से यह निर्विवाद वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।''

पिछले वर्ष अप्रैल में भी जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों के ''मानकीकृत नामों'' की सूची जारी की थी तब भी भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने ''जंगनान'' में छह स्थानों के ''मानकीकृत नामों'' की पहली सूची 2017 में जारी की थी, जबकि 15 स्थानों की दूसरी सूची 2021 में जारी की गई थी। इसके बाद 2023 में 11 स्थानों के नामों के साथ एक और सूची जारी की गई थी।

शोपियां में मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के 'ऑपरेशन कमांडर' शाहिद कुट्टे समेत तीन आतंकवादी ढेर हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कुट्टे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों की भर्ती का जिम्मा संभालता था और उसने कई युवाओं को लश्कर-ए-तैयाबा में शामिल होने के लिए बरगलाया था। अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार को शुकरू केलर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में कुट्टे के साथ शोपियां के वंदुना मेलहुरा इलाके का रहने वाला अदनान शफी और पड़ोसी पुलवामा जिले के मुर्रान क्षेत्र का निवासी एहसान उल हक शेख भी मारा गया। उन्होंने बताया कि तीनों आतंकवादी लंबे समय से दक्षिण कश्मीर में सक्रिय थे और कई आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में शामिल थे। अधिकारी के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के 'ऑपरेशन कमांडर' कुट्टे ने कश्मीर में आतंकी भर्ती को बढ़ावा दिया, कई युवकों को बरगलाया और कई निर्दोष लोगों की हत्या की। इस मुठभेड़ की वजह से लश्कर-ए-तैयबा और अन्य आतंकी संगठनों को बड़ा नुकसान हुआ है। भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशक लोक सूचना (एडीजीपीआई) ने एक बयान में कहा कि शोपियां के शुकरू केलर क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर मंगलवार को सुरक्षा बलों ने एक अभियान शुरू किया। एडीजीपीआई ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अभियान के कारण छिड़ी मुठभेड़ के दौरान लश्कर/टीआरएफ के स्थानीय कमांडर सहित तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया।

भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने बुधवार को देश के 52वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। वह अनुच्छेद 370 समाप्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखने समेत कई अहम फैसले देने वाली पीठों में शामिल रहे हैं। न्यायमूर्ति गवई (64) को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में एक संक्षिप्त समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह ली है, जो 65 वर्ष की आयु होने पर मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति गवई ने अपनी मां कमल ताई गवई के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और पूर्व न्यायाधीशों ने उन्हें बधाई दी।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.02 अरब डॉलर की किस्त जारी की

कराची/ इस्लामाबाद/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को विस्तारित कोष सुविधा कार्यक्रम के तहत 1.02 अरब अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त वितरित कर दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान को इस सहायता कार्यक्रम की दूसरी किस्त ऐसे समय पर दी गई है जब आईएमएफ पाकिस्तान के आगामी बजट पर ऑनलाइन माध्यम से चर्चा कर रहा है। हाल ही में भारत के साथ तनाव पैदा होने से आईएमएफ के मिशन प्रमुख की इस्लामाबाद यात्रा कुछ दिन के लिए टल गई। पाकिस्तान सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दो जून को बजट पेश करने की योजना बना रही है। आईएमएफ के प्रतिनिधि आगामी बजट के प्रावधानों पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ 16 मई तक बातचीत करेंगे। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि आईएमएफ से मिली दूसरी किस्त की राशि 16 मई को समाप्त होने वाले सप्ताह के लिए उसके विदेशी मुद्रा भंडार में दिखाई देगी।

भारत और पाकिस्तान को शांति के लिए राजी किया : ट्रंप का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

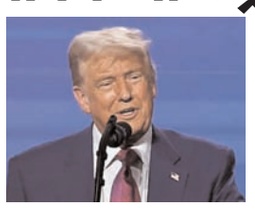

न्यूयॉर्क/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने में अमेरिका द्वारा मध्यस्थ की भूमिका अदा करने का दावा फिर से दोहराया है।

ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन, भारत और पाकिस्तान के साथ 'मध्यस्थ' के तौर पर शामिल हुआ था। ट्रंप ने साथ ही कहा कि जो कुछ हो रहा था वह उन्हें अच्छा नहीं लग रहा था और इसलिए उन्होंने दोनों देशों को शांति बनाए रखने के लिए राजी किया।

ट्रंप ने मंगलवार को सऊदी अरब की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद 'एयरफोर्स वन' विमान में 'फॉक्स न्यूज' से बातचीत में यह बात कही। शनिवार के बाद से यह पांचवीं बार है जब ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्षविराम' कराया है।

भारत और पाकिस्तान चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को संघर्ष समाप्त करने पर सहमत हुए थे।

नई दिल्ली में सरकारी सूत्र लगातार कह रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच जमीन, हवा और समुद्र पर तत्काल प्रभाव से सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनी थी। सूत्रों का कहना है कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं है।

अरब लीग के राजनयिक मिशन के प्रमुख यूसुफ मोहम्मद जमील ने कहा

आतंकवाद बड़ा खतरा, भारत के साथ मिल कर काम करने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अरब लीग के नई दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन के प्रमुख यूसुफ मोहम्मद जमील ने बुधवार को कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद का खात्मा करने के लिए भारत और अरब क्षेत्र के देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद को विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बताया है।

राजदूत जमील ने एक बयान में कहा, देश के बाहर से संचालित आतंकवाद और ऐसे अन्य खतरों से निपटने के मामले में हमारी सोच एक जैसी है। हम खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त पहल के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लड़ायी के उद्देश्यों को हासिल कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य विश्व में शांति और सुरक्षा के वातावरण को मजबूत बनाना है।

अरब लीग के राजदूत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि यह कृत्य न केवल बर्बर बल्कि अमानवीय भी है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकने का स्वागत किया और कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए दोनों के बीच सैनिक कार्रवाई का रुकना बहुत ही जरूरी था। जमील ने कहा, हम इस पक्ष के हैं कि दोनों देशों के बीच विवाद के समाधान के लिए बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों को अपना जाय । ऐसा दृष्टिकोण न केवल राजनीतिक स्थिरता बल्कि इस क्षेत्र के देशों की आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

जमील ने उम्मीद जताई कि अरब-भारत मंत्रिस्तरीय संचालन फोरम की एक बैठक निकट भविष्य में आयोजित की जाएगा और इससे दोनों पक्षों के बीच सहयोग को व्यापक बनाने में मदद मिलेगी।

प्रतीत होता है कि पाकिस्तानी ठिकानों को निशाना बनाने में भारत को 'बढ़त' हासिल थी : न्यूयॉर्क टाइम्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के अंग्रेजी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक खबर में उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों के हवाले से कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि चार दिनों तक चले हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और हवाई अड्डों को निशाना बनाने में भारत को 'स्पष्ट बढ़त' हासिल थी।

खबर के अनुसार, हमलों से पहले और बाद की उपग्रह से प्राप्त 'हाई-रिजॉल्यूशन' की तस्वीरों में भारतीय हमलों से पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को 'स्पष्ट नुकसान' दिखाई देता है।

खबर में कहा गया है, ''भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चला सैन्य संघर्ष दो परमाणु संपन्न देशों के बीच आधी सदी में सबसे व्यापक लड़ाई थी। चूंकि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की हवाई सुरक्षा का परीक्षण करने और सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया, इसलिए उन्होंने गंभीर नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया।''

इसमें कहा गया है कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से संकेत मिलता है कि हमले व्यापक थे, लेकिन नुकसान दावे के मुकाबले कहीं ज्यादा सीमित था। खबर में कहा गया है, ''ऐसा लगता है कि ज्यादातर नुकसान भारत ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को पहुंचाया।''

इसमें कहा गया है कि हाई-टेक युद्ध के नए युग में, तस्वीर द्वारा सत्यापित दोनों पक्षों द्वारा किए गए हमले सटीक रूप से लक्षित प्रतीत होते हैं।

खबर में कहा गया है, ''भारत को पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों और हवाई क्षेत्रों को निशाना बनाने में स्पष्ट बढ़त मिली है, क्योंकि लड़ाई का दूसरा चरण प्रतीकात्मक हमलों और बल के प्रदर्शन से एक-दूसरे की रक्षा क्षमताओं पर हमलों में बदल गया।''

भारत के रक्षा अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची से 100 मील से भी कम दूरी पर स्थित भोलारी एयर बेस पर एक विमान हैंगर पर सटीक हमला किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार से सवाल करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि किसी को भी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार या सशस्त्र बलों से सवाल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ''एक पिता को अपने देश, परिवार और 140 करोड़ भारतीयों के बारे में सोचना होता है''। उन्होंने एक कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से कहा, ''जब आपात स्थिति होती है तो राष्ट्रहित में निर्णय लिए जाते हैं और पूरा देश सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होता है।''

'आप' भारत और पाकिस्तान के बीच सभी सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए बनी सहमति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार से सवाल पूछ रही है।

'आप' ने आश्चर्य जताया है कि आखिर ऐसा क्या हुआ था जिसके कारण यह घटनाक्रम हुआ और क्या पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद न्याय हुआ है।

गुप्ता ने कहा, ''वातानुकूलित कमरों में बैठकर टीवी देखकर कोई भी कुछ भी कह सकता है। केवल वे ही लोग निर्णय ले सकते हैं जो ऐसी परिस्थितियों में खड़े होते हैं। एक पिता को अपने देश, अपने परिवार और 140 करोड़ भारतीयों के बारे में सोचना होता है। सिर्फ बयानबाजी से कुछ नहीं होगा। किसी को भी सरकार या सशस्त्र बलों पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है।''

मंगलवार को उनकी पूर्ववर्ती और 'आप' नेता आतिशी ने चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद शनिवार दोपहर के घटनाक्रम को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी।

आतिशी ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट में था, ''ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी सेना की बहादुरी को दिखाया। लेकिन 10 मई को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद, सरकार ने संघर्ष विराम की पुष्टि की। देश जानना चाहता है कि क्या पहलगाम के आतंकवादी पकड़े गए हैं। क्या 'सिंदूर' (विवाहित हिंदू महिलाओं का प्रतीक) का बदला लिया गया है?''

उनकी पार्टी के सहयोगी एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की कि ''अचानक संघर्ष विराम का फैसला'' क्यों लिया गया।

सीडीएस चौहान, सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों ने राष्ट्रपति को 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी जानकारी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी जानकारी दी।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत छह और सात मई की दरमियानी रात पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए। पहलगाम में हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे।

राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर लिखा, ''प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह एवं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी जानकारी दी।''

राष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों की उस वीरता और समर्पण की सराहना की जिसके कारण आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिक्रिया के दौरान भारत को शानदार सफलता मिली।

मप्र के मंत्री ने कर्नल सोफिया के खिलाफ 'गटर की भाषा' बोली, प्राथमिकी दर्ज हो : उच्च न्यायालय

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने और ''गटर की भाषा'' का इस्तेमाल करने के लिए बुधवार को राज्य के मंत्री विजय शाह को फटकार लगाई और पुलिस को उनके खिलाफ शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

अदालत ने यह भी कहा कि सशस्त्र बल 'शायद इस देश में आखिरी संस्थान' हैं जो ईमानदारी, अनुशासन, बलिदान, निःस्वार्थ भाव, चरित्र, सम्मान और अदम्य साहस को दर्शाते हैं।' कर्नल सोफिया 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारत के पक्ष को मीडिया के माध्यम से देश-दुनिया के सामने रखने वाली टीम का हिस्सा थीं। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और आदिम जाति कल्याण मंत्री शाह ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कर्नल सोफिया को आतंकवादियों की बहन के रूप में पेश करने की कोशिश की थी। उन्होंने सोमवार को इंदौर के पास रामकुंडा गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए ये अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। उनके बयानों का स्वत: संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने पुलिस को मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने पुलिस विभाग को बुधवार शाम छह बजे तक प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया और इस बारे में सूचित करने का भी निर्देश दिया।

सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के लिए और अधिक बंकर की जरूरत: पूर्व सैन्य अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अतुल कौशिक ने बुधवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रह रहे स्थानीय लोगों के लिए और अधिक बंकर बनाने की जरूरत है। पूर्व सैन्य अधिकारी ने एक बयान में कहा कि सीमावर्ती कस्बों और गांवों में रहने वाले लोग अक्सर संघर्ष का खामियाजा भुगतते हैं, खासकर जम्मू-कश्मीर और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आसपास के इलाके में।

कौशिक ने कहा कि हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी में उरी, तंगधार और पुंछ जैसे शहर बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे कई नागरिक अंदरूनी इलाकों में विस्थापन करने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासी अक्सर खुद को संघर्ष के दौरान अग्रिम पंक्ति में पाते हैं, जहां उन्हें न केवल जनहानि का सामना करना पड़ता है, बल्कि जीवन पर असर डालने वाली चोटें भी झेलनी पड़ती हैं। मुख्य रूप से कृषि पर आधारित उनकी आजीविका हिंसा से काफी हद तक बाधित होती है। कौशिक ने कहा, ''हाल ही में नागरिकों की मौत एक गंभीर मुद्दे को उजागर करती है जिसका संबंध स्थानीय आबादी के लिए पर्याप्त बंकरों और सुरक्षित ठिकानों की कमी से है। इन संघर्षों के दौरान संपत्ति और पशुधन को हुए नुकसान की भरपाई शायद ही कभी की जाती है, जिससे परिवार गंभीर परिस्थितियों में फंस जाते हैं।''

सीमा पर कई लोग पूर्व सैनिक हैं जो जरूरत पड़ने पर विभिन्न क्षमताओं में सशस्त्र बलों की सहायता करके युद्ध के प्रयासों में योगदान देते हैं। सेना शांति के समय नागरिकों को सहायता प्रदान करती है, लेकिन संघर्ष के दौरान उसकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। रक्षा विशेषज्ञ ने कहा कि जबकि ऐसे समय में नागरिक अपनी सुरक्षा और जीविका के लिए सरकारी अधिकारियों पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विकसित होते सैन्य सिद्धांत के साथ आतंकवाद के किसी भी कृत्य को अब युद्ध का कृत्य माना जाता है, जिससे सीमा पार से जवाबी और ऐहतियाती कार्रवाई की संभावना बढ़ सकती है।

कौशिक ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के लिए संघर्ष के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा और स्थिरता के उपायों का पुनर्मूल्यांकन और उन्हें बढ़ाना अनिवार्य है।

लोकसभा सिर्फ सदन नहीं, भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है: बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के निचले सदन के नामकरण की घोषणा के 71 साल पूरा होने के मौके पर बुधवार को कहा कि यह केवल एक सदन नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से इस बात का उल्लेख किया कि 14 मई, 1954 को तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर ने यह ऐतिहासिक घोषणा की थी कि 'हाउस ऑफ द पीपुल' को अब 'लोकसभा' के नाम से जाना जाएगा।

बिरला ने कहा,''लोकसभा, संविधान के प्रति निष्ठा, जनता की आकांक्षाओं और राष्ट्रहित में लिये गए निर्णयों की सजीव संस्था है। देश की नीतियों की दिशा, जनहित के विधानों का निर्माण और लोकतांत्रिक विमर्श की सबसे प्रामाणिक भूमि यही लोकसभा है। यह वह मंच है जहां भारत की विविधता एकता में बदलती है, और जहां हर नागरिक की आवाज, विचार और अधिकार को

प्रतिनिधित्व मिलता है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकसभा केवल एक सदन नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है।लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, ''इस दिन को याद करना भारत की लोकतांत्रिक परंपरा के प्रति आदर भाव व्यक्त करना है।''

बिरला ने एक अन्य पोस्ट में न्यायमूर्ति बी आर गवई के प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई जी के राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुआ। न्यायमूर्ति बीआर गवई जी को उनके नए कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं सफल कार्यावधि की मंगलकामनाएं।''

भारत के तुर्किये, अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव

नई दिल्ली/भाषा। भारत के तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव आने की आशंका है, क्योंकि इन दोनों देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया है और वहां आतंकी ठिकानों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है।

पाकिस्तान को उनके समर्थन के बाद, पूरे देश में तुर्किये के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। इसके अलावा, ईजमाईट्रिप और इक्सिगो जैसे ऑनलाइन यात्रा मंच ने इन देशों की यात्रा के खिलाफ परामर्श जारी किया है।

वास्तव में, भारतीय कारोबारियों ने भी तुर्किये के सेब और संगमरमर जैसे उत्पादों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया है।

भारत ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था।

थरूर ने लक्ष्मण रेखा लांघ दी है: कांग्रेस सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सूत्रों ने बुधवार को कहा कि पार्टी में सबको अपनी राय रखने की आजादी है, लेकिन लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने बयानों से लक्ष्मण रेखा लांघ दी है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि आलाकमान ने नेताओं को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करने के बजाय पार्टी का पक्ष रखें। पार्टी सूत्रों ने वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया, ''कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और सभी को अपनी राय जाहिर करने की आजादी है, लेकिन थरूर ने इस बार लक्ष्मण रेखा लांघ दी है।'' उनका कहना है, ''बैठक में आलाकमान की तरफ से हिदायत दी गई कि यह समय व्यक्तिगत राय व्यक्त करने का नहीं, (बल्कि) पार्टी की राय रखने का है। हालांकि यह हिदायत देते वक्त किसी का नाम नहीं लिया गया।'' बैठक के बाद थरूर के बयानों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि थरूर की टिप्पणी पार्टी की राय नहीं होती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, जयराम रमेश, सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर और कई अन्य नेता शामिल थे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की यह तीसरी बैठक थी।

माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा सात दिन बाद बहाल

कटरा/जम्मू/भाषा। जम्मू एवं कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा बुधवार को फिर से शुरू हो गई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य गतिरोध के कारण यह सेवा करीब एक सप्ताह से निलंबित थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने से एक दिन पहले ही जम्मू और श्रीनगर सहित 32 हवाई अड्डों पर उड़ानें बहाल की गई थीं। दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद यह कदम उठाया गया है। मंदिर प्रबंधन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, ''माता वैष्णो देवी मंदिर में हेलीकॉप्टर सेवा पिछले सात दिनों से निलंबित थी जिसे आज सुबह बहाल कर दिया गया।''

तुर्किये, अजरबैजान के लिए बुकिंग 60 प्रतिशत गिरी : मेकमाईट्रिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया पर तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा के बहिष्कार के आह्वान के बीच यात्रा मंच मेकमाईट्रिप ने बुधवार को कहा कि पिछले एक सप्ताह में दोनों देशों के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि रद्दीकरण में 250 प्रतिशत यानी ढाई गुना की वृद्धि हुई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान को 'समर्थन' देने के कारण पूरे देश में तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार करने का आह्वान किया जा रहा है। भारत ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए छह और सात मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके बाद पाकिस्तान द्वारा किए गए आक्रमण का जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत दिया गया। तुर्किये और अजरबैजान, दोनों देशों ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले की आलोचना की थी। मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, पिछले एक सप्ताह में भारतीय यात्रियों ने मजबूत भावनाएं व्यक्त की हैं। अजरबैजान और तुर्किये के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि रद्दीकरण में 250 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, अपने देश के साथ एकजुटता और अपने सशस्त्र बलों के प्रति गहरे सम्मान के कारण, हम इस भावना का दृढ़ता से समर्थन करते हैं और सभी को अजरबैजान और तुर्किये की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह देते हैं।

महाराष्ट्र : स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी: सीसीटीवी कैमरे लगाने, कर्मचारियों की जांच को कहा गया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत कम से कम एक महीने के डेटा बैकअप के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाना, छात्रों के खिलाफ अपराधों की सूचना पुलिस को देना, अपने कर्मचारियों की जांच करना और स्कूल वाहनों के चालकों का शराब परीक्षण करना अनिवार्य किया गया है।

मानसिक दबाव या उत्पीड़न का सामना कर रहे छात्रों को परामर्श प्रदान करना तथा 'प्री-प्राइमरी' और 'प्राइमरी' के छात्रों को 'गुड टच और बैड टच (अच्छे और बुरे मकसद से किया गया स्पर्श)' के बारे में जागरुक बनाना भी इन दिशा-निर्देशों का हिस्सा है। ये निर्देश राज्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 13 मई को जारी सरकारी संकल्प (जीआर) में शामिल हैं, जिसका उद्देश्य यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के कार्यान्वयन को मजबूत करना है।

इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य पिछले साल अगस्त में ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में स्कूलों में सुरक्षा में सुधार करना है। आरोप लगे थे कि स्कूल प्रशासन और पुलिस ने मामले में समय पर कार्रवाई नहीं की। अगस्त में स्कूल में सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक अन्य मामले में जांच के लिए तलोजा जेल से कल्याण ले जाते समय पुलिस वैन के अंदर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आदेश में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नाबालिग माना गया है तथा स्कूल अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध अपराध की सूचना पुलिस स्टेशन या विशेष किशोर पुलिस इकाई को देने का आदेश दिया गया है।

आंध्र प्रदेश बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करेगा: मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की एक हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा का उपयोग करते हुए बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने के मकसद से एक रणनीतिक योजना की घोषणा की है, जिसके तहत प्रत्येक 50 किलोमीटर के अंतराल पर बंदरगाह या मछली पकड़ने के केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना से राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजन होगा और बुनियादी अवसंरचना का निर्माण होगा। यहां मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में नायडू ने कहा, ''हमने आंध्र प्रदेश की एक हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा का उपयोग करके बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक रणनीतिक योजना तैयार की है।'' विज्ञप्ति के अनुसार, नेल्लोर जिले के दुगराजपट्टनम में जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर स्थापित करने की एक प्रमुख पहल पर चर्चा की गई। प्रारंभिक व्यवहार्यता रिपोर्ट के आधार पर, इस परियोजना को केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग के माध्यम से दो हजार एकड़ भूमि में विकसित करने का प्रस्ताव है। इस दो हजार एकड़ में से एक हजार एकड़ भूमि को मुख्य जहाज निर्माण इकाइयों के लिए और एक हजार एकड़ को सहायक उद्योगों के लिए आवंटित किया जाएगा। योजना में एक ग्रीनफील्ड बंदरगाह की स्थापना करना शामिल है, जो जहाज निर्माण और मरम्मत केंद्र से जुड़ा होगा। परियोजना में अनुमानित केन्द्रीय निवेश 3,500 करोड़ रुपए है, जिसमें आंध्र प्रदेश सरकार हिस्सेदार के रूप में भूमि का योगदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) वैश्विक जहाज निर्माण कंपनियों को आकर्षित करेगा और इस परियोजना से 26 हजार करोड़ रुपए का निवेश आएगा, जिससे पांच हजार प्रत्यक्ष नौकरियां और 30 हजार अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

अमृतसर जहरीली शराब कांड: मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हुई, दो और आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर/भाषा। पंजाब में जहरीली शराब पीने से मजीठा इलाके में बुधवार को दो और लोगों की मौत के बाद इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई। वहीं दिल्ली में दो और गिरफ्तारी के बाद इस मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक भंगवान गांव के रहने वाले थे।

अमृतसर की उपायुक्त साक्षी साहनी ने भी पुष्टि की है कि इस घटना में मरने वालों की संख्या 23 हो गई है। मजीठा में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मरने वालों में ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं। अधिकारियों ने बताया कि भंगाली, पातालपुरी, मरारी कलां, तलवंडी खुम्मन, करनाला, भंगवान और थेरेवाल गांवों में मौतें हुईं। बुधवार को उत्तरी दिल्ली से रविंदर जैन और ऋषभ जैन नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया और इस गिरफ्तारी के साथ मामले में मुख्य आरोपी समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर लिखा, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने मजीठा, अमृतसर में नकली शराब मामले में दिल्ली के मॉडल टाउन से दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

कर्रेगुट्टा पहाड़ियों पर 21 दिनों की कार्रवाई में 31 नक्सली मारे गए: सीआरपीएफ महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। सुरक्षा अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों के आसपास घने जंगलों में 21 दिनों तक व्यापक अभियान में कम से कम 31 नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि यह नक्सली खतरे के ''अंत की शुरुआत'' है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जी पी सिंह और छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 21 अप्रैल से शुरू हुए 21 दिवसीय अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 31 माओवादियों के शव बरामद किए हैं, जिनमें से 28 की पहचान हो गई है। छत्तीसगढ़ पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान) विवेकानंद ने कहा, ''अब तक मारे गए नक्सलियों पर 1.72 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं और नक्सलियों की चार तकनीकी इकाइयों को नष्ट कर दिया, जो हथियार और आईईडी बनाती थीं।'' अधिकारियों ने कहा कि अभियान के दौरान तथ्यों और सूचनाओं का विश्लेषण करने के बाद यह विश्वास किया जा सकता है कि मुठभेड़ों के दौरान कई वरिष्ठ माओवादी नेता या तो मारे गए या गंभीर रूप से घायल हो गए।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' के एक सवाल पर कहा, ''हमने जो भी करने का लक्ष्य रखा था, हमने उससे कहीं अधिक हासिल किया है। हमें विश्वास और खुशी है कि यह अंत की शुरुआत है और हम 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सली हिंसा को पूरी तरह से खत्म करने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।'' अधिकारियों ने बताया कि अत्यंत दुर्गम इलाका होने के कारण सुरक्षा बल सभी शवों को बरामद नहीं कर पाए हैं और न ही घायलों को गिरफ्तार कर पाए हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने 35 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है, जिसमें स्वचालित, अर्द्ध-स्वचालित और देशी हथियार भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 450 आईईडी और बड़ी संख्या में डेटोनेटर, विस्फोटक उपकरण के अलावा 12,000 किलोग्राम अन्य सामग्री जब्त की गई है, जिसमें चिकित्सा आपूर्ति, बिजली उपकरण, नक्सल साहित्य शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की हथियार बनाने वाली चार फैक्टरी को नष्ट कर दिया, जहां जनरेटर, ड्रिल, मोटर और कटर मिले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को इस ऑपरेशन को देश को नक्सल मुक्त बनाने के संकल्प में सुरक्षा बलों की ऐतिहासिक सफलता करार दिया।

पोलाची मामले की तरह कोडनाड एस्टेट डकैती-हत्याकांड में भी दोषियों को उचित सजा मिलेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उद्गमंडलम(नीलगिरि)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि पोलाची मामले की तरह कोडनाड एस्टेट डकैती-हत्या मामले में भी दोषियों को उचित सजा मिलेगी।

राज्य के कोयंबटूर की एक अदालत ने पोलाची मामले में गिरफ्तार सभी नौ लोगों को घटना के सामने आने के करीब छह साल बाद मंगलवार को दोषी ठहराया और मौत तक ''आजीवन कारावास'' की सजा सुनाई।

पोलाची यौन उत्पीड़न मामले में फैसला आने के बाद स्टालिन ने याद दिलाया कि उन्होंने 2019 के संसदीय चुनावों से पहले ही आश्वासन दिया था कि अपराध करने वालों को सजा मिलेगी, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ऐसा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कई वर्ष पहले कहा था पोलाची की घटना दुष्ट शासन का एक सबूत है। उनका इशारा 2017 से 2021 के बीच मुख्यमंत्री ई.के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक सरकार की ओर था।

एक सवाल के जवाब में स्टालिन ने कहा कि पोलाची मामले की तरह कोडनाड एस्टेट डकैती-हत्या मामले में भी दोषियों को उचित सजा मिलेगी।

वहीं पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए सवाल किया कि मुख्यमंत्री पोलाची मामले में दोषियों को सजा मिलने का श्रेय क्यों ले रहे हैं।

पलानीस्वामी ने कहा, पोलाची मामले में, अन्नाद्रमुक की सरकार ने गिरफ्तारी की और मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया; सीबीआई ने इसकी जांच की और अदालत ने फैसला सुनाया है।

निरीक्षण एवं मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नीलगिरि सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया और चिकित्सा कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर, दवा स्टॉक रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस कार्यक्रम के दौरान संसद सदस्य ए. राजा आदि उपस्थित थे।

कोच्चि में रेलवे को खाद्य सामग्री की आपूर्ति करने वाली इकाई में खराब भोजन मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यहां कथित तौर पर भारतीय रेलवे को भोजन की आपूर्ति करने वाली एक खानपान इकाई में कई दिन पुरानी और खराब हो चुकी खाद्य सामग्री पाई गई।

अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि बृंदावन नामक खानपान इकाई के कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करते हुए भोजन और अन्य कचरे को पास की नहर में फेंकते हुए मिले। अधिकारी ने कहा कि खराब हो चुके भोजन को पास के एक गोदाम में भी रखा गया था, जहां खानपान इकाई के कर्मचारी रह रहे थे।

अधिकारी ने कहा कि उन्हें पिछली रात इकाई के बारे में जानकारी मिली और उसके आधार पर बुधवार सुबह निरीक्षण किया गया। अधिकारी ने कहा कि चूंकि इकाई का संचालन निगम के लाइसेंस के बिना और नियमों का उल्लंघन करते हुए किया जा रहा है, इसलिए इसे सील कर दिया जाएगा।

बृंदावन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। क्षेत्र के निगम पार्षद ने संवाददाताओं को बताया कि इकाई को नहर में कचरा न फेंकने के लिए कई बार चेतावनी दी गई थी और इसके लिए उस पर जुर्माना भी लगाया गया था, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने कहा, कल स्थानीय लोगों ने मुझे फोन करके बताया कि यहां से बदबू आ रही है और जब मैं यहां आया तो मुझे भी बदबू महसूस हुई। मैंने तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया।

उन्होंने कहा कि 'वंदे भारत लोगो' वाले डिब्बे और गिलास भी मिले हैं। इस बीच, रेलवे के एक अधिकारी ने कहा कि समाचार देखने के बाद मामले को संबंधित विभाग को भेज दिया गया, जो रेलवे के लिए भोजन की खरीद का काम देखता है।

एर्नाकुलम बेस किचन में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर मीडिया रिपोर्टों के संबंध में स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोच्चि नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एर्नाकुलम स्टेशन के पास आईआरसीटीसी और रेलवे के खानपान ठेकेदार द्वारा संचालित एक बेस किचन द्वारा पुराने/एक्सपायर्ड भोजन की आपूर्ति का आरोप मीडिया में आया है, जिसके बाद जांच करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है, जिसमें मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/तिरुवनंतपुरम, स्वास्थ्य अधिकारी/तिरुवनंतपुरम और क्षेत्र प्रबंधक/आईआरसीटीसी शामिल हैं। रेलवे ने खानपान कंपनी (मेसर्स वृंदावन फूड प्रोडक्ट्स) पर स्वच्छता मानकों में खामियों के लिए 1,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया है और आईआरसीटीसी को कड़ी कार्रवाई करने की सलाह दी गई है।

यद्यपि इकाई के पास एफएसएसएआई प्रमाणन लाइसेंस था, लेकिन कोच्चि निगम अधिकारियों ने दावा किया कि रसोई इकाई बिना वाणिज्यिक लाइसेंस के चल रही थी और उसके पास सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) नहीं था। इस बीच, आईआरसीटीसी ने कहा है कि मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के यात्रियों को निर्बाध और स्वच्छ भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की गई है और स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखने के लिए बड़े सुधारात्मक कदम भी उठाए जा रहे हैं।

महिला अधिवक्ता ने सीनियर पर लगाया हमले का आरोप, वकालत रोकने के लिए कानूनी कदम उठाने की बात कही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक युवा महिला अधिवक्ता पर उसके सीनियर वकील ने अपने कार्यालय में कथित तौर पर ''हमला'' किया। महिला वकील ने बुधवार को कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कदम उठाएंगी कि उक्त वकील वकालत न कर पाये। महिला वकील श्यामली ने अब तक की पुलिस जांच पर संतोष जताया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके सीनियर वकील बेयलिन दास को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

श्यामली सुबह इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल आयी थी और उन्होंने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि दास ने एक बार पहले भी उनके साथ मारपीट की थी, जब वह पांच महीने की गर्भवती थी। उन्होंने दावा किया, अगर हम बेयलिन द्वारा कही या की गई किसी बात पर सवाल उठाते हैं तो वह बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते हैं। मैंने इससे पहले जब मुझ पर फाइल फेंकने के उनके व्यवहार को लेकर सवाल उठाया था तो उन्होंने मुझे मारा था। इस बार भी वह किसी आंतरिक मामले को लेकर गुस्सा हो गए और मुझ पर हमला किया। आरोपी वकील टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

महिला वकील ने यह भी दावा किया कि मंगलवार को बार एसोसिएशन के सदस्य बेयलिन को उनके चैंबर से गिरफ्तार करने के खिलाफ थे, हालांकि बार एसोसिएशन ने इस दावे का खंडन किया। श्यामली ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के विरोध के बावजूद कानूनी पेशे को चुना था, क्योंकि उन्हें इससे लगाव था। उन्होंने कहा, मैंने इस पेशे में बहुत मेहनत की है, क्योंकि मुझे यह पसंद है। किसी ने कभी यह शिकायत नहीं की कि मैं कड़ी मेहनत नहीं करती।

उन्होंने अपनी चोटों के बारे में कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि हमले के कारण उनकी आंख की रोशनी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, लेकिन बहुत सूजन और दर्द है। बोलना या खाना मुश्किल है। श्यामली ने कहा कि उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को ईमेल के माध्यम से शिकायत पहले ही भेज दी है और जल्द ही वंचियूर अदालत के बार एसोसिएशन के समक्ष व्यक्तिगत रूप से औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगी। उन्होंने दावा किया, उन्हें (दास को) बार एसोसिएशन से निलंबित कर दिया गया है। मैं कानूनी रूप से आगे बढ़ूंगी। मैं नहीं चाहती कि वह (दास) अब वकालत करें। मुझे नहीं पता कि उन्होंने अतीत में किसी और पर हमला किया है या नहीं, लेकिन मैं नहीं चाहती कि किसी और को मेरे साथ जो हुआ, उससे गुजरना पड़े।

उन्होंने कहा कि कई वकील एसोसिएशन ने समर्थन दिया है और एकजुटता के लिए आभार व्यक्त किया। वंचियूर पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बेयलिन दास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है, जिसमें गैर-जमानती अपराध भी शामिल हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वकील के खिलाफ गैर-जमानती धाराएं लगाई गई हैं। उनकी तलाश की जा रही है। हम मामले को आगे बढ़ा रहे हैं।

उभरते एथलीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को तमिलनाडु के 12 पुरुष और महिला एथलीटों को तमिलनाडु चैंपियंस ट्रस्ट फंड से 32.25 लाख रुपये का चेक सौंपते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। यह एथलीट आगामी 16 से 27 जुलाई को जर्मनी में आयोजित होने वाले एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेंगे। इस अवसर पर युवा कल्याण और खेल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. अदुल्या मिश्रा,तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण सदस्य सचिव जे. मेगानाथ रेड्डी आदि उपस्थित थे।

केरल पुलिस ने 'यहोवा के साक्षी' को मिली धमकियों के मामले की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल पुलिस ने 'यहोवा के साक्षी' के जनसंपर्क अधिकारी की, धमकी भरा अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल आने संबंधी शिकायत की जांच शुरू कर दी है। 'यहोवा के साक्षी' ईसाईयों का एक संप्रदाय है। यह एक वैश्विक धार्मिक संगठन है जो ईश्वर को 'यहोवा' कहता है। फोन करने वाले ने कथित तौर पर चेतावनी दी थी कि कलमस्सेरी सिलसिलेवार विस्फोट मामले में आरोपियों के खिलाफ गवाही देने वाले समूह के सदस्यों की हत्या कर दी जाएगी।

कलमस्सेरी पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले ने उन सभी सम्मेलनों और प्रार्थना कक्षों में बम लगाने की भी धमकी दी जहां पीआरओ धार्मिक सेवाएं आयोजित करते हैं। पुलिस ने पुष्टि की कि पीआरओ ने बताया कि उन्हें 12 मई को रात 9.57 बजे मलेशिया के एक नंबर से कॉल आया था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है।

यह धमकी ऐसे समय में दी गई है जब अक्टूबर 2023 में यहां कलमस्सेरी में यहोवा के साक्षियों' की एक सभा के दौरान हुए विस्फोटों के संबंध में मुकदमा शुरू होने वाला है। इस घटना में आठ लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। धमाकों के कुछ घंटों बाद डोमिनिक मार्टिन नामक व्यक्ति ने त्रिशूर जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। मार्टिन कथित तौर पर समूह का पूर्व सदस्य है और उसने हमले की जिम्मेदारी ली थी। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

'यहोवा के साक्षी' ईसाई धर्म का एक संप्रदाय है जो उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स टेज़ रसेल द्वारा स्थापित बाइबिल स्टूडेंट आंदोलन से उपजा है।

सिद्धरामय्या ने प्रमुख परियोजनाओं संबंधी अनुदान रोकने पर केंद्र की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने राज्य के लिए घोषित अनुदान जारी नहीं करने के लिए बुधवार को केंद्र की आलोचना की, जिसमें भद्रा बांध परियोजना के साथ ही गरीबों, बुजुर्गों और जरूरतमंदों के लिए पेंशन और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के लिए धनराशि शामिल है।

सिद्धरामय्या ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समितियों (दिशा) के कामकाज की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह एक सरकारी पहल है जिसका उद्देश्य सहभागी शासन और विचार-विमर्शपूर्ण लोकतंत्र को बढ़ावा देना है। समिति के सदस्यों ने सुझाव दिया कि केंद्र का हिस्सा राज्य को दिलाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

सिद्धरामय्या ने दोहराया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में घोषणा की थी कि भद्रा अपर नदी परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, लेकिन अब तक राज्य को एक रुपया भी नहीं मिला है। अपर भद्रा परियोजना का लक्ष्य लगभग 19 टीएमसीएफटी पानी का उपयोग करके चिक्कमगलुरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे और तुमकुरु जिलों में लगभग 2.25 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करना है। इसके अतिरिक्त, परियोजना में 350 से अधिक जलाशय को 10.8 टीएमसीएफटी पानी से भरने और वाणी विलास जलाशय की क्षमता बढ़ाने की योजना है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने कहा कि 15वें वित्त आयोग में केंद्र की ओर से 5,495 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान दिया जाना था, जिसमें झील और पेरीफेरल रिंग रोड के लिए धन मिलाकर कुल 11,495 करोड़ रुपये मिलते, लेकिन राज्य को कोई राशि नहीं मिली। उन्होंने बैठक के दौरान कहा, भले ही हम राज्य से 4.5 लाख करोड़ रुपये के कर का भुगतान करते हैं, लेकिन केंद्र से राज्य को थोड़ी सी भी सहायता नहीं मिलती। वे केंद्र द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं के लिए भी पैसा नहीं देते हैं, लेकिन आप राज्य सरकार पर विकास के लिए पैसा नहीं होने का आरोप लगाते हैं।

सिद्धरामय्या ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लिए राज्य अनुदान 5,665.95 करोड़ रुपये है, जबकि केंद्रीय अनुदान 559.61 करोड़ रुपये है, लेकिन केंद्र द्वारा केवल 113.92 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर केंद्र सामाजिक योजनाओं के लिए दिए जाने वाले अनुदान में भी कटौती करता है तो कैसे काम चलाया जाएगा। सिद्धरामय्या ने कहा कि उन्होंने सीतारमण से दो बार मुलाकात की और अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने (वित्त मंत्री) इस पर ध्यान नहीं दिया। सिद्धरामय्या ने कर्नाटक के सांसदों की चुप्पी साधे रखने के लिए कड़ी आलोचना की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, आपको (सांसदों को) तय समय के भीतर अनुदान जारी कराने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए। आपको अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। राज्य द्वारा दी जाने वाली विभिन्न पेंशन के बारे में सिद्धरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार कुल 5,665 करोड़ रुपये पेंशन देती है, जबकि केंद्र सरकार 559 करोड़ रुपये का योगदान देती है।

उन्होंने आरोप लगाया, केंद्र सरकार यह छोटी राशि भी नहीं दे पा रही है। केंद्र ने इसे दो साल तक लंबित रखा है। ऐसा क्यों है? इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार से पेंशन के मद में मिलने वाली राशि दो साल से राज्य को नहीं मिली है। सिद्धरामय्या ने कहा, राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित अधिकांश परियोजनाओं पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र का नाम है। हालांकि, केंद्र के पैसे का एक अंश भी नहीं आ रहा है। क्या आपको (सांसदों को) इस लगातार हो रहे अन्याय पर सवाल नहीं उठाना चाहिए?

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा केंद्र, केंद्रीय मंत्रियों और प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्रों का विवरण साझा किया और बैठक के दौरान उन्हें पढ़कर विभिन्न मुद्दों को उजागर किया और सांसदों का ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने सिद्धरामय्या को बताया कि केंद्र से अभी तक मनरेगा के तहत धन प्राप्त नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बैठक में विभिन्न प्रकार की लंबित केंद्रीय पेंशन राशि के बारे में भी बताया। सिद्धरामय्या ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तीन महीने के भीतर मनरेगा कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यदि किसी कारण से पिछली कार्य योजना छूट गई है, तो उसे अगली योजना में शामिल किया जाना चाहिए। सिद्धरामय्या ने उन्हें राज्य में मनरेगा योजना में अनियमितता करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और आपराधिक मामला दर्ज करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत राज्य का अनुदान 24,960 करोड़ रुपये है। सीएमओ के अनुसार, उन योजनाओं में केंद्र का हिस्सा 22,758 करोड़ रुपये है, जिसमें से केंद्र द्वारा केवल 18,561 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं, जबकि 4,195 करोड़ रुपये अभी भी लंबित हैं।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि केंद्र ने जल जीवन मिशन योजना के तहत 2023-24 में 7,656 करोड़ रुपये और 2024-25 में 3,233 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में पीने योग्य नल का पानी उपलब्ध कराने की योजना है, जिस पर सीतारमण ने अपने बजट भाषण में चर्चा की थी, जिसमें उन्होंने पूरा होने का लक्ष्य 2028 तक संशोधित किया था।

सोशल मीडिया पर कथित राष्ट्र-विरोधी टिप्पणी को लेकर टीवी अभिनेता अखिल मरार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम/भाषा। केरल पुलिस ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में कथित रूप से राष्ट्र-विरोधी टिप्पणी करने पर मलयालम टेलीविजन हस्ती और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अखिल मरार के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कोट्टारक्कारा थाने के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्य) के तहत दर्ज किया गया है जो गैर-जमानती है।

कोट्टारक्कारा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता अनीश किड़क्केकारा ने शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में, उन्होंने आरोप लगाया कि मरार के वीडियो में राष्ट्र के खिलाफ टिप्पणी की गई हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि चूंकि वीडियो हटा दिया गया है, इसलिए आगे की कार्यवाही करने से पहले उसे फिर से हासिल करना होगा।

सांत्वना

बुधवार को रामनगर जिले के भद्रपुर, बिड़दी में बदमाशों द्वारा हत्या की गई नाबालिग लड़की खुशी के माता-पिता को सांत्वना देने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे । उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से मुआवजे के रूप में 4,12,500 रुपये की घोषणा की। और पंचायत ने 50 हजार का मुआवजा चेक दिया। इस मौके पर विधायक डॉ. रंगनाथ, उपायुक्त यशवंत गुरुकर, एसपी श्रीनिवास गौड़ा, कांग्रेस नेता गणकल नटराज समेत अन्य उपस्थित थे।

खुली जेल से कैदी फरार

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिला कारागृह की खुली जेल से आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे एक कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि जेल प्रशासन ने डीग में सीकरी थाना क्षेत्र के अलघानी गांव निवासी फरार कैदी जैकम उर्फ दिलशान (36) के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। जेल सूत्रों ने बताया कि 25 मार्च 2017 को उसे हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। दस दिन पहले चार मई को उसे केंद्रीय कारागृह भरतपुर से धौलपुर की खुली जेल में स्थानांतरित किया गया था। सुबह उसके नदारद पाये जाने पर जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। ड्यूटी पर तैनात मुख्य प्रहरी मुकेश कुमार ने इसकी सूचना जेल अधीक्षक को दी। इसके बाद कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया।

आबादी क्षेत्र में घुसा तेंदुआ, गाय पर किया हमला

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के बयाना सदर थाना क्षेत्र में बुधवार को तड़के एक तेंदुए के गांव बागरैन में आकर पशुबाड़े में बंधी एक गाय को अपना शिकार बनाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पशुपालक कृष्ण कुमार मवेशियों के चिल्लाने की आवाज सुनकर लाठी लेकर पशुबाड़े पहुंचा, तब तक तेंदुआ गाय की गर्दन को अपने पंजों में जकड़ चुका था। लाठी दिखाकर जब कृष्ण कुमार ने तेंदुए को डराने की कोशिश की तो तेंदुए गुर्राया, जिससे वह डरकर मौके से भाग गया। कुछ देर बाद तेंदुआ भी जंगल की ओर चला गया। ग्रामीणों ने कहा कि इस क्षेत्र में तेंदुये की गतिविधियां पहले से ही जारी हैं। वे रात को सो नहीं पाते साथ ही बच्चों को भी बाहर नहीं निकलने देते। सभी के मन में डर बैठ गया है। कई बार वन अधिकारियों को सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

सोफिया कुरैशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मप्र के मंत्री को हटाया जाए : पायलट

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह की अपमानजनक टिप्पणी की निंदा की है। पायलट ने बुधवार को यहां कहा कि सैन्य अधिकारी के प्रति इस तरह का अनादर पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने मंत्री शाह को तत्काल मंत्रिमंडल से हटाने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आलाकमान द्वारा माफी मांगे जाने की भी मांग की। पायलट ने कहा, मध्य प्रदेश के मंत्री का कल जो बयान आया, वह बहुत ही आपत्तिजनक था। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री को उन्हें अपने मंत्रिमंडल से निकाल देना चाहिए और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां भारतीय सशस्त्र बलों की गरिमा को धूमिल करती हैं। उन्होंने सैनिकों के लिए सम्मान के उच्चतम मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया।

कई इलाकों में आज से फिर भीषण गर्मी का दौर रहेगा

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई इलाकों में बृहस्पतिवार से भीषण गर्मी का नया दौर शुरू होने का अनुमान व्यक्त करते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में तापमान बढ़ेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, आगामी दिनों में जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही धूल भरी हवाएं चलने तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। राज्य के बीकानेर, गंगानगर जिलों में 15-17 मई को अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस रहने व कहीं-कहीं 'लू' का नया दौर शुरू होने की संभावना है। इसी तरह पूर्वी राजस्थान में 15 मई से ज्यादातर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने व तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। भरतपुर व कोटा संभाग में छिटपुट स्थानों पर दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।बीते चौबीस घंटे में राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 43.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आज बुधवार को भी एक बार फिर बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी आने व हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघिन तारा के दोनों शावकों की मौत

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघिन 'तारा' के दोनों शावकों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। नाहरगढ अभ्यारण्य सूत्रों के अनुसार गत छह मई को शेरनी 'तारा' ने दो शावकों को जन्म दिया था लेकिन जन्म के तुरंत बाद से ही दोनों शावकों की हालत नाजुक बनी हुई थी। बताया गया कि शेरनी तारा ने दोनों श्रावको को दूध नहीं पिलाया इससे उनका स्वास्थ्य कमजोर होता गया। बायोलॉजिकल पार्क प्रशासन ने चिकित्सकों की देखरेख में दोनों शावकों की देखभाल शुरू की थी। इस दौरान मंगलवार को एक शावक की मृत्यु हो गई और बुधवार को दूसरे शावक ने भी दम तोड़ दिया।

ट्रंप के भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तोलना ठीक नहीं : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तौलने को ठीक नहीं बताते हुए केन्द्र सरकार से मांग की है कि ऐसे में चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए और उसमें युद्धविराम को लेकर स्थिति को स्पष्ट किया जाना चाहिए। पायलट ने बुधवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर ट्रंप द्वारा दिए गए बयानों पर हो रही चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि ट्रंप ने कल सऊदी अरब में सीजफायर को लेकर फिर जिक्र किया और उन्होंने फिर कहा कि व्यापार बंद करने की बात करने पर यह युद्धविराम हुआ हैं। पायलट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वाला बयान बार बार क्यों दे रहे है। इसको लेकर उसका सीधे तौर पर केन्द्र सरकार ने खंडन भी नहीं किया हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने दोनों देशों के बीच शांति बढ़ाने को लेकर बात कही लेकिन उन्होंने आतंकवाद को लेकर एक शब्द भी नहीं कहा जो पाकिस्तान आतंकवाद को पाल रहा है, उस पर एक शब्द नहीं कहा।

ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तौल रहे है जो ठीक नहीं है, जिस भारत की तुलना चीन से होती थी, भारत की तुलना कभी भी पाकिस्तान से हो ही नहीं सकती। पायलट ने कहा कि आश्चर्य की बात है कि ट्रंप कश्मीर मसले का जिक्र कर रहे हैं, सरकार को इन तमाम सवालों का जवाब देना चाहिए। पीओके को हमे वापस लेना है। यह प्रस्ताव संसद में दोबारा पारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद में वर्ष 1994 में पारित इस प्रस्ताव को अब दोबारा से पारित करने का मौका है। पीओके भारत का अभिन्न अंग है। सरकार से मांग है कि चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हुआ है कि भारत जैसे देश की जो निर्णय लेने की ताकत है उसे समाप्त करने की कोशिश की गइ हैं लेकिन भारत सरकार के साथ पूरा देश हैं।

उन्होंने कहा कि अटलबिहारी वाजपेयी ने श्रीमती इंदिरा गांधी को दुर्गा बताया था और तब प्रमाण दिया गया था कि दुश्मन के सामने हम सब एक हैं। पायलट ने कहा कि वायु सेना ने कहा है कि आपरेशन सिंदूर जारी हैं और उस पर देश को पूरा भरोसा हैं लेकिन युद्धविराम को लेकर जो भ्रम पैदा हुआ हैं उसे सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाने का मतलब यह नहीं हैं कि हम आलोचना करे लेकिन विचार विमर्श तो करे कि किस ठोस आधार, पृष्ठभूमि एवं भरोसे में यह युद्धविराम किया गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरा देश एकजुट है। भारत की तमाम जनता और राजनीतिक दल मानते है कि हमने बहुत आतंकवादी हमले झेल लिए। किन शर्तों पर सीजफायर हुआ है पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो लोन मिला, क्या उस पैसे का दुरुप्रयोग करके फिर से आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम पाकिस्तान नहीं करेगा। पाकिस्तान पर कितना विश्वास किया जा सकता है, उसने सीजफायर के तुरंत बाद गोलाबारी कर दी। कैसे विश्वास किया जाये।

पायलट ने कहा कि आतंकवादी को खत्म करने के मुद्दे पर भारत एक है, केंद्र सरकार को जनता और विपक्ष का पूरा समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य पर हम सबको गर्व है और सभी एक मत है लेकिन अचानक सीजफायर होना और सीजफायर अमेरिका द्वारा करना भी अप्रत्याशित हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने बहुत ही सावधानी और संयम के साथ एयरस्ट्राइक की गई। इसमें किसी आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। भारतीय सेना ने फिर अपना शौर्य दिखाया जो सराहनीय हैं और पूरा देश उसके साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि देश ने आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का प्रण लिया हैं उसे साकार करना चाहिए, पूरा देश एक हैं और आतंकवादियों को पनाह देने वाले और उन्हें फंडिग देने वालों सहित आतंकवाद से जुड़े उन सब पर अंकुश लगना चाहिए ताकि आतंकवाद जड़ से समाप्त हो सके। उन्होंने कहा कि हम बात कर रहे है आतंकवाद की, ट्रम्प बात कर रहे हैं कश्मीर की। कश्मीर की चर्चा कहां से आ गई। उन्होंने कहा कि यह प्रमाण करना चाहिए कि हम किसी के दबाव में नहीं हैं। अमरीका का राष्ट्रपति जो बोल रहा हैं इसका स्पष्ट खंडन करना चाहिए जिसका अभी तक खंडन नहीं किया गया हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने एक बार भी नहीं कहा कि आतंकवाद गलत हैं। उनकी पोस्ट में उन्होंने एक बार भी आतंकवाद का जिक्र नहीं किया और वह कश्मीर पर चर्चा कर रहे है। आतंकवाद से हम जूझ रहे हैं उसका जिक्र ही नहीं हैं।

सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा कड़ी, जैसलमेर व गंगानगर में पाकिस्तानी सिम पर प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पड़ोसी देश द्वारा जासूसी किये जाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए और कदम उठाए हैं। अधिकारियों की तरफ से बुधवार को यह जानकारी दी गयी। जैसलमेर और श्रीगंगानगर जिलों में अधिकारियों ने पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों के अनुसार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने हाल ही में सीमा के पास मोबाइल टावरों की रेंज बढ़ा दी है जिससे अनाधिकृत संचार और निगरानी की आशंका बढ़ गई है।

जैसलमेर के कलेक्टर प्रताप सिंह ने कहा, सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी सिम के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाई गई है। श्रीगंगानगर की जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50 किलोमीटर अंदर तक के गांवों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बाहरी लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और स्थानीय पुलिस संवेदनशील इलाकों में 'हाई अलर्ट' पर हैं। जिले के एक गांव में बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र जाट ने ड्रोन गतिविधि के बारे में आम लोगों को प्रशिक्षण भी दिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने सीमा पार से ड्रोन गतिविधि में संभावित वृद्धि की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, हमें हर समय तैयार रहना चाहिए। लोगों को समझना चाहिए कि ड्रोन कैसे काम करते हैं और वे किस तरह के संभावित खतरे पैदा करते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संभावित हवाई हमलों के लिहाज से जयपुर, अलवर, भरतपुर, कोटा और अजमेर के साथ ही बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर और जोधपुर जैसे सीमावर्ती जिलों को संवेदनशील माना है। नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार इन क्षेत्रों में प्रमुख स्थानों पर इलेक्ट्रिक सायरन लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जिन्हें केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष से संचालित किया जाएगा। इस बीच, सीमावर्ती क्षेत्रों में जनजीवन सामान्य हो रहा है। प्रभावित जिलों में मंगलवार को बाजार फिर से खुल गए और रोजमर्रा की गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं।

एक अन्य घटनाक्रम में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बुधवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्रतापगढ़ मिनी सचिवालय प्रशासन और बारां जिला प्रशासन को भी ईमेल के जरिए ऐसी ही धमकी मिली है। राज्य क्रीड़ा परिषद को ईमेल के जरिए भेजी गई धमकी में सवाई मान सिंह अस्पताल को भी संभावित निशाना बताया गया है। पुलिस ने स्टेडियम की सुरक्षा बढ़ा दी है और साइबर विशेषज्ञों की मदद से संदेश भेजने वाले का पता लगा रही है। वहीं राज्य में विमान सेवाएं बहाल हो गई है। बीकानेर, जोधपुर और किशनगढ़ (अजमेर) तीनों एयरपोर्ट पर सेवाएं चालू हो गयी हैं। बुधवार को एक निजी ऑपरेटर ने किशनगढ़ से हैदराबाद, पुणे, लखनऊ, हिंडन, नांदेड़ और बेंगलुरु समेत छह शहरों के लिए सेवाएं बहाल कर दीं।

किशनगढ़ हवाई अड्डे के निदेशक बी.एल. मीणा ने कहा, निजी विमानन कंपनी की उड़ान सेवा बहाल कर दी गई है। उन्होंने कहा कि बीकानेर से इंडिगो की उड़ानें बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली हैं। शिक्षा विभाग ने सीमावर्ती जिलों में परीक्षाओं के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आग

जोधपुर में एक फुटवियर की दुकान में आग लगने के बाद आग बुझाने की कोशिश करते अग्निशमन कर्मी।

मंत्री दक ने अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की सफल क्रियान्विति के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान बैंक अधिकारियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की प्रगति जानकारी प्राप्त की। दक ने योजना को समुचित रूप से क्रियान्वित करते हुए अधिक से अधिक पात्र ऋणी सदस्यों को योजना से लाभान्वित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजना के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अब तक की प्रगति की जानकारी ली। एसएलडीबी के प्रबंध निदेशक जितेन्द्र प्रसाद ने अवगत कराया कि योजना के तहत 13 मई तक 21 हजार 812 पात्र ऋणियों को नोटिस तामील करवाये जा चुके हैं तथा कुल 921 मामलों में 21.96 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक भूमि विकास बैंकों के स्तर पर वसूली में सहयोग एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एसएलडीबी से प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

इस दौरान सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन प्राथमिक बैंकों में प्रगति आशानुरूप नहीं है, वहां अधिक फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष में पहली बार राज्य सरकार भूमि विकास बैंकों के ऋणी सदस्यों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना लेकर आई है, जिससे भूमि विकास बैंकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और ऋणी सदस्यों को मुख्यधारा में आने व पुनः निवेश ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अतः अधिकारी पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए योजना की सफल क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने बैंक परिसर में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश के किसानों की खुशहाली और दीर्घकालीन सहकारी साख संरचना के पुनरूद्धार की कामना की। एसएलडीबी की महाप्रबंधक श्रीमती उषा कपूर सहित अन्य बैंक अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

राजस्थान युवा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए किया गया अंतर विभागीय मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। डॉ. पवन ने कहा कि बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, इसके लिए यूनिसेफ के सहयोग से युवा बोर्ड द्वारा स्टेट लेवल ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑन मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ''मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता'' तीन चरण में मई माह के प्रत्येक शनिवार 17, 24 व 31 मई को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा।

डॉ. पवन ने कहा कि इसमें काउंसलर्स व एक्सपर्ट्स के माध्यम से लगभग दस हजार बच्चों से संवाद कर उन्हें जागरूक किया जाएगा। उन्हें मानसिक तनाव से दूर रहे सहित विभिन्न विषयों पर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत राजस्थान युवा नीति-2025 बनाई गई है। इसी क्रम में बुधवार को राजस्थान युवा नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए यूएनएफपीए के तकनीकी सहयोग से अंतर-विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड डॉ. नीरज कुमार पवन द्वारा की गई।

राजस्थान युवा नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए बैठक में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, हरित विकास में युवाओं की भूमिका, शिक्षा और कौशल, उद्यमिता और रोजगार, स्वस्थ युवा, सामाजिक न्याय और जेंडर समानता पर मंथन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत करवाया गया। बैठक में निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग, आशीष मोदी, स्टेट हेड यूएनएफपीए डॉ दीपेश गुप्ता, मनीष कुमार, यूनिसेफ के अधिकारी, सदस्य सचिव राजस्थान युवा बोर्ड कैलाश चंद पहाड़िया तथा विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब अवैध बांग्लादेशियों पर वार, राजस्थान से 1008 पकड़े गए, जोधपुर एयरफोर्स से 148 डिपोर्ट

जोधपुर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अब केंद्र सरकार ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक अभियान छेड़ दिया है। इसी कड़ी में राजस्थान के सीकर जिले से 148 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन से बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया। देशभर में चलाए जा रहे इस सघन अभियान के तहत राजस्थान में अब तक कुल 1008 बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं। राजस्थान पुलिस की विशेष कार्रवाई के अंतर्गत जयपुर रेंज में सर्वाधिक 761 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए हैं, जबकि अकेले सीकर जिले से कुल 394 अवैध घुसपैठिए गिरफ्तार किए गए। इनमें से 148 को दस्तावेजी जांच के बाद बुधवार को जोधपुर लाया गया, जहां से उन्हें वायुसेना के विशेष सुरक्षा प्रबंधों के बीच पश्चिम बंगाल के लिए रवाना किया गया, ताकि वहां से उन्हें बांग्लादेश भेजा जा सके।

देश में बढ़ते आतंकी खतरे और पहलगाम जैसे हमलों के बाद केंद्र सरकार ने आंतरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान, गिरफ्तारी और निष्कासन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। जोधपुर पुलिस व खुफिया एजेंसियों की मदद से यह सुनिश्चित किया गया कि इन अवैध नागरिकों को बिना किसी व्यवधान के डिपोर्ट किया जा सके। एयरफोर्स स्टेशन से इन सभी को पश्चिम बंगाल की सीमा तक पहुंचाने के लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

धर्म, न्याय और राष्ट्र धर्म का सजीव रूप हैं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 18वीं शताब्दी में इंदौर की रानी रहीं अहिल्याबाई होल्कर को धर्म, न्याय और राष्ट्र धर्म का सजीव स्वरूप बताते हुए बुधवार को कहा कि वह भारतीय सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि होल्कर ने विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम तक तीर्थस्थलों का पुनरुद्धार करवाया, वह भारतीय इतिहास का अद्वितीय अध्याय है।

अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के छौंड़ी गांव में हुआ था और उनका निधन 13 अगस्त 1795 में हुआ था। एक बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में कहा कि अहिल्याबाई ने धर्म रक्षति रक्षितः के वैदिक उद्घोष को न केवल जिया, बल्कि उसे मूर्त रूप भी दिया। उन्होंने कहा कि जब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था, मंदिर विध्वंस किए जा रहे थे, तब अहिल्याबाई ने बिना भय के, बिना किसी राजनीतिक समर्थन के, उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का विराट कार्य अपने हाथों में लिया था। आदित्यनाथ ने कहा,'' लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने स्वयं घोषणा की थी मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है और न्याय का पथ ही हमें

सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमें आज जो भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर दिखता है, वह उसी मंदिर का स्वरूप है जिसे अहिल्याबाई होल्कर ने 1777 से 1780 के बीच अपने निजी संसाधनों से बनवाया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, '' लोकमाता अहिल्याबाई केवल काशी तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने केदारनाथ धाम, रामेश्वरम, सोमनाथ, हरिद्वार, महिष्मति और देश के अनेक तीर्थस्थलों के जीर्णोद्धार का कार्य किया। उन्होंने नदियों के घाटों, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बनी रहे। आदित्यनाथ ने अहिल्याबाई को भारतीय नारी शक्ति की प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने न केवल राजनीतिक प्रशासन को धर्म-संगत और प्रजा-हितकारी बनाया, बल्कि सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित और बाल विवाह पर रोक लगा कर नारी सशक्तिकरण की दिशा में अनुकरणीय कार्य किया।

उप्र के दो एक्सप्रेसवे पर 425.43 करोड़ रुपए से 'ई-वे हब' बनाएगी सरकार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर राहगीरों को विश्व स्तरीय सुविधाएं देने के लिए कुल 12 'ई-वे हब' का निर्माण कराएगी जिसका खाका तैयार कर लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर उत्तम यात्री सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 'ई-वे हब' के निर्माण का मास्टर प्लान तैयार किया है।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, इन 'ई-वे हब' को वैश्विक मानकों के अनुरूप यात्री सुविधाओं से युक्त करने की तैयारी है। इसमें कहा है कि इन 'ई-वे हब' पर राहगीरों को हवाई अड्डे जैसी आधुनिक सुविधाओं मिलेंगी और पूरा परिसर वातानुकूलित होगा जिसमें ज्यादा भीड़ वाले क्षेत्र में वातानुकूलन व्यवस्था बेहद उन्नत होगी। 'ई-वे हब' में महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग अत्याधुनिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, महिलाओं की जरूरतों के अनुसार, सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग यूनिट, सोप डिस्पेंसर, व एंटी बैक्टीरिया सैनिटरीवेयर की स्थापना होगी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने सशस्त्र बलों के सम्मान में भुवनेश्वर में 'तिरंगा यात्रा' शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में भुवनेश्वर में 'तिरंगा यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली 'ऑपरेशन सिंदूर' में मिली सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ाने के मकसद से आयोजित की गई थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए। पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। कलिंगा स्टेडियम से शुरू हुई मोटरसाइकिल रैली शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए राजभवन तक गई। तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद माझी ने खुद मोटरसाइकिल रैली में हिस्सा लिया। हेलमेट पहनकर मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर सवार हो गए व इस मोटरसाइकिल को उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज चला रहे थे। हालांकि, माझी ने जयदेव विहार, आचार्य विहार, वाणी विहार, राज महल चौक, एजी चौक से होते हुए गवर्नर हाउस चौक तक पहुंचने से पहले मोटरसाइकिल में कुछ दूरी तय की।

एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम को मंजूरी, उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगा कारखाना

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम को मंजूरी दे दी। यह संयुक्त उद्यम उत्तर प्रदेश के जेवर में 3,706 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से वेफर्स बनाने का कारखाना लगाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रस्तावित एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाहन और अन्य उपकरणों के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप बनाएगा। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित कारखाना प्रति माह 20,000 वेफर्स (सेमीकंडक्टर सामग्री सिलिकन की पतली परत) तैयार करेगा। इससे लगभग 2,000 नौकरियां सृजित होंगी। मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश के जेवर में स्थापित होने वाले छठे सेमीकंडक्टर संयंत्र को मंजूरी दे दी है। यह एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच डिस्प्ले ड्राइवर चिप बनाने का संयुक्त उद्यम है। ये चिप स्क्रीन पर प्रदर्शित सामग्री की गुणवत्ता और प्रारूप को नियंत्रित करते हैं। यह बहुत ही उन्नत प्रौद्योगिकी है जिसे स्थापित किया जा रहा है। फॉक्सकॉन इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की सबसे बड़ी विनिर्माता है। यह एप्पल का आईफोन भी बनाती है। हमारा मानना है कि एक बार यह इकाई यहां आ जाए, तो डिस्प्ले पैनल संयंत्र भी भारत आ जाएगा। यह भारत की 40% क्षमता को पूरा करेगा। यह बड़ा संयंत्र है। यह दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए भी फॉक्सकॉन की जरूरतों को पूरा करेगा। एचसीएल-फॉक्सकॉन संयुक्त उपक्रम 2027 में चालू हो जाएगा। कुल 3,706 करोड़ रु. के निवेश से लगाए जा रहे इस संयंत्र से 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

रोहित और कोहली की जगह लेने के लिये भारत के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी : एंडरसन

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि भारत के पास बेखौफ और आक्रामक क्रिकेट खेलने वाले अगली पीढी के क्रिकेटर हैं जो विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह ले सकते हैं । कोहली और रोहित ने एक सप्ताह के भीतर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया । पिछले साल टी20 क्रिकेट से विदा ले चुके ये दोनों दिग्गज वनडे क्रिकेट खेलते रहेंगे । एंडरसन ने 'टॉकस्पोर्ट' से कहा ,'' महान खिलाड़ी । कोहली टेस्ट क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में से एक ।''

भारतीय टीम के पास अब एक नया कप्तान होगा और टीम में दो सबसे अनुभवी खिलाड़ी नहीं होंगे । एंडरसन ने कहा ,'' शर्मा के संन्यास के बाद एक नया कप्तान होगा । विराट और रोहित की जगह लेना मुश्किल है लेकिन भारत के पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' आप आईपीएल देखिये । अब आईपीएल से टेस्ट टीम में ऐसे क्रिकेटर आ रहे हैं जो आक्रामक हैं, बेखौफ क्रिकेट खेलते हैं ।'' इंग्लैंड दौरे पर भारत को 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की शृंखला खेलनी है जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र 2025 . 27 की शुरूआत भी होगी ।

राम मंदिर परिसर में 14 मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा पांच जून को, 101 विद्वान करेंगे अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में स्थित 14 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा आगामी पांच जून को गंगा दशहरा उत्सव के अवसर की जाएगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर तीन जून से पांच जून तक तीन दिवसीय उत्सव मनाया जाएगा। हालांकि, अनुष्ठान 30 मई को शुरू हो जाएंगे और इनकी शुरुआत परिसर में स्थित मंदिर में शिव लिंग की स्थापना से होगी।

काशी और अयोध्या के कुल 101 वैदिक विद्वान अनुष्ठानों की देखरेख करेंगे, जिसमें 'यज्ञशाला' की पूजा, वाल्मीकि रामायण का पाठ, मंत्रोच्चार,

चारों वेदों का पाठ और अन्य पारंपरिक समारोह शामिल होंगे। देवताओं के लिए दो-दो फुट ऊंचे संगमरमर के सिंहासन विशेष रूप से तैयार किए गए हैं।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान मूर्तियों को इन सिंहासनों पर रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा की जानी है उनमें मुख्य परिसर में स्थित छह मंदिर शामिल हैं। ये मंदिर भगवान शिव, सूर्य देव, गणपति, हनुमान, देवी भगवती और देवी अन्नपूर्णा को समर्पित हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इसके अलावा सप्त मंडपम क्षेत्र में स्थित सात मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी, जिनमें ऋषि वशिष्ठ, वाल्मीकि, अगस्त्य, विश्वामित्र, अहिल्या, शबरी और निषादराज जैसे देवता और पूजनीय आकृतियां प्रतिष्ठित होंगी।

आरक्षण नीति की समीक्षा के लिए जनगणना के आंकड़ों की जरूरत : नगालैंड सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड सरकार ने जनसंख्या के सटीक और अद्यतन आंकड़ों के बिना नौकरियों में आरक्षण नीति की किसी भी तरह की समीक्षा करने में असमर्थता व्यक्त की है और कहा है कि ऐसा कदम राष्ट्रीय जनगणना के आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए।

नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के पुनर्मूल्यांकन को लेकर जनजातीय संगठनों की मांगों के बारे में पूछे गए सवालों पर नगालैंड सरकार के प्रवक्ता और मंत्री के जी केन्ये ने कहा, ''हम आंखें मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। हमें एक आधार की आवश्यकता है और वह आधार है जनगणना।''

नगालैंड की पांच प्रमुख जनजातियों- अंगामी, एओ, लोथा, रेंगमा और सुमी के प्रतिनिधियों ने 27 अप्रैल को मुख्यमंत्री को एक पत्र सौंपा, जिसमें राज्य सरकार को 30 दिन में पिछड़ी जनजातियों के लिए नगालैंड की नौकरी आरक्षण नीति की समीक्षा करने के उनके सितंबर 2024 के अनुरोध पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। हालांकि, बुधवार को राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में केन्ये ने कहा कि नगालैंड में जनगणना प्रक्रिया कानूनी विवादों में फंसी हुई है। उन्होंने कहा, ''हमारी जनगणना प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। आदिवासी संगठनों ने उच्च न्यायालय का रुख किया है और अब मामला उच्चतम न्यायालय पहुंच गया है।'' मंत्री ने कहा कि इस बात पर असहमति है कि 2001 या 2011 में से किस जनगणना वर्ष को वैध माना जाए। उन्होंने कहा, ''2021 भी गुजर गया, जो कि वर्तमान दशक के लिए संदर्भ होना चाहिए, लेकिन 2011 की जनगणना को भी चुनौती दी गई है।'' केन्ये ने जोर दिया कि इन विवादों के मद्देनजर ''हमने नई जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होने तक इसे स्थगित रखने का फैसला किया है।

असम पंचायत चुनाव परिणाम: भाजपा सभी प्रमुख सीट पर विजयी रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। राज्य चुनाव आयोग द्वारा बुधवार को ग्रामीण चुनाव परिणामों की घोषणा की गई जिसमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी असम गण परिषद ने जीत हासिल करके असम की सभी प्रमुख जिला परिषदों और आंचलिक पंचायतों पर कब्जा कर लिया है।

असम राज्य चुनाव आयोग (एएसईसी) ने अंतिम परिणाम घोषित किए। चार दिन पहले रविवार सुबह आठ बजे 39 मतगणना केंद्रों पर पंचायत चुनाव के वोटों की गिनती शुरू हुई थी। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद पहली बार असम के 27 जिलों में दो और सात मई को दो चरणों में पंचायत चुनाव हुए।

एएसईसी के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने आंचलिक पंचायत (एपी) निर्वाचन क्षेत्रों के 1,261 सीट पर जीत हासिल की है, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (अगप) ने अब तक 184 सीट हासिल की हैं। विपक्षी कांग्रेस ने 481 सीट जीती हैं, जबकि एआईयूडीएफ को 64, रायजोर दल को 17, तृणमूल कांग्रेस को चार, असम जातीय परिषद को तीन, आम आदमी

पार्टी (आप) को एक और निर्दलीय उम्मीदवारों को 173 सीट मिली हैं। जिला परिषद (जेडपी) में भाजपा ने 274 सीट जीती हैं, जबकि उसके सहयोगी एजीपी ने 27 सीट जीती हैं। एएसईसी के आंकड़ों से पता चलता है कि कांग्रेस ने 72 सीट जीती हैं, जबकि एआईयूडीएफ ने आठ, रायजोर दल ने तीन और निर्दलीय ने 13 सीट जीती हैं। आयोग ने कहा कि 21,920 ग्राम पंचायत वार्ड के लिए हुए चुनाव का राजनीतिक दलों के प्रायोजन से कोई लेनादेना नहीं था। कुल सीट में ग्राम पंचायत (जीपी) सदस्य की 21,920 सीट शामिल हैं, जिनमें से 10,883 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आंचलिक पंचायत (एपी) सदस्य की 2,192 सीट के लिए भी मतदान हुआ, जिनमें से 1,124 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसी तरह जिला परिषद (जेडपी) सदस्यों की 397 सीट में से 199 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

'भूमि के बदले नौकरी' से जुड़े धनशोधन मामले में लालू पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिली : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को सूचित किया कि उसे कथित ''भूमि के बदले नौकरी घोटाला'' से जुड़े धनशोधन मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की आवश्यक मंजूरी मिल गई है। यह 'घोटाला' उस समय हुआ था जब लालू प्रसाद केंद्रीय रेल मंत्री थे। ईडी ने अदालत को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आठ मई को धन शोधन मामले में लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी।

एजेंसी के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मू ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197(1) (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218) के तहत अनिवार्य अनुमति दे दी। ईडी द्वारा अभियोजन की मंजूरी मिलने संबंधी जानकारी दिये जाने के बाद बुधवार को विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने मामले की सुनवाई के लिए 23 मई की तारीख तय की। न्यायाधीश ने कहा, ''ईडी ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अभियोजन के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त मंजूरी को रिकॉर्ड में लाने के लिए एक आवेदन दायर किया है।

झारखंड बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को पूरा सहयोग देगा : मुख्यमंत्री सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को यूनिसेफ को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार राज्य में बच्चों के समग्र विकास के लिए पूरा सहयोग देगी। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे ने सोरेन से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की ओर से चलाई जा रही योजनाओं, गतिविधियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। मैककैफ्रे ने बाल अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय में काम करने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, राज्य में बच्चों की हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं होंगे, उनका विकास संभव नहीं है। इसलिए सरकार बच्चों में कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है।

त्रिपुरा में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान शुरू करने की मांग

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा के विधायक रंजीत देबबर्मा ने केंद्र, राज्य और त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) से आग्रह किया कि वे त्रिपुरा में अवैध रूप से रह रहे 'बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने समेत उन्हें निर्वासित करने के लिए अभियान' शुरू करें। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बड़ी संख्या में बांग्लादेश के अवैध प्रवासी और घुसपैठिए पूर्वोत्तर राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं जबकि रोहिंग्या भी सीमावर्ती राज्य में प्रवेश कर रहे हैं।

इससे पहले, विधायक ने अमित शाह को पत्र लिखकर बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध प्रवेश को रोकने और सभी अवैध प्रवासियों को उनके मूल स्थान पर वापस भेजने का आग्रह किया था। देबबर्मा ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठिये खाश (सरकारी) भूमि पर झुग्गी झोपड़ी इलाकों और आरक्षित वन भूमि पर घर बना रहे हैं और यहां स्थायी रूप से रह रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर आठवले ने कहा, भारत ने तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का प्रस्ताव ठुकराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में मध्यस्थता की पेशकश की थी, लेकिन नई दिल्ली ने किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष आठवले ने एक संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष की गतिरोध के दौरान सरकार के साथ खड़े रहने के लिए प्रशंसा की तथा दोनों पड़ोसी देशों के बीच सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए सहमति बनने के मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''विपक्ष को सरकार के साथ एकजुट रहना चाहिए और उसके रुख पर सवाल नहीं उठाना चाहिए।'' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराने का बार-बार दावा किये जाने के बाद, विपक्षी दलों ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर इस मुद्दे पर

स्पष्टीकरण देने के लिए दबाव बनाया है। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की सहमति बनी थी।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा, ''पाकिस्तान के साथ तब तक कोई मित्रता नहीं हो सकती जब तक वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत को वापस नहीं कर देते और सीमापार आतंकवाद के खतरे का स्थायी समाधान नहीं हो जाता।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मामले को सुलझाने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन हमने किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से साफ इनकार किया।'' कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की अपमानजनक टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री आठवले ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मीडिया को जानकारी देने के तरीके के लिए उनकी (कर्नल सोफिया कुरैशी) प्रशंसा की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की टिप्पणी की व्यापक निंदा हुई है।

आठवले ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की नौकरियों में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधित्व को समझने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है।

'ऑपरेशन सिंदूर' का राजनीतीकरण कर रहे हैं प्रधानमंत्री, भाजपा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ऑपरेशन सिंदूर का खुलकर राजनीतीकरण कर रही है तथा इस सैन्य अभियान को सत्तारूढ़ पार्टी का ब्रांड बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की यहां आयोजित बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले दिनों में देश में अलग अलग स्थानों पर जयहिंद सभाओं का आयोजन किया जाएगा जिनमें प्रधानमंत्री मोदी से

सवाल किए जाएंगे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की यह तीसरी बैठक थी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, जयराम रमेश, सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर और कई अन्य नेता शामिल थे। बैठक के बाद रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि पिछली दो सर्वदलीय बैठकें सिर्फ औपचारिकता थीं। रमेश ने कहा, संघर्षविराम की पहली घोषणा अमेरिका ने की। यह अभूतपूर्व था। प्रधानमंत्री मोदी इस पर बोलते ही नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि अमेरिका के मध्यस्थता के दावे पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? रमेश ने कहा, हमारी मांग स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।

सुविचार

एक मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी होती हैं, जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तुर्किये की कृतघ्नता

पाकिस्तान की आतंकी हरकतों में साथ देने वाले तुर्किये को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। इस देश ने रावलपिंडी को ड्रोन और सैन्य तकनीक से जुड़ी मदद उपलब्ध कराई, जिसके बाद भारत को पूरा अधिकार है कि सख्त कदम उठाए। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारत के हमलों के बाद जिस तरह एलओसी एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दुश्मन के ड्रोन मंडराने लगे और उन्होंने नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश की, उससे इस बात की पुष्टि होती है कि तुर्किये ने हमें नुकसान पहुंचाने के लिए अपने संसाधन उपलब्ध कराए थे। पाकिस्तान के पास बेहतर और बड़ी संख्या में ड्रोन बनाने की क्षमता नहीं है। वह तुर्किये के सामने हाथ फैलाता रहा है। भारत ने तुर्किये में फरवरी 2023 में आए भूकंप के बाद 'ऑपरेशन दोस्त' चलाकर उसके हजारों नागरिकों की जान बचाई थी। उसके बाद हमें क्या मिला? कृतघ्नता, विश्वासघात! हममें 'शत्रुबोध' नहीं है। तुर्किये तो कई मौकों पर कह चुका है कि उसकी ओर से पाकिस्तान को सहयोग जारी रहेगा। वह पाकिस्तान के समर्थन में ही खड़ा होगा, चाहे हम संकट की घड़ी में उसकी मदद करते रहें। भारत को ऐसे देश पर दया दिखाने की कोई जरूरत नहीं थी। अब हमें तुर्किये के साथ सख्ती से निपटना चाहिए। यह दुनिया की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भी नहीं आता। इसके राष्ट्रपति एर्दोगान का भारतविरोधी रुख जगजाहिर है। हर साल भारत से लाखों पर्यटक तुर्किये जाते हैं। हमारे कई नागरिकों ने सोशल मीडिया पर इस देश की बहुत बढ़ा-चढ़ाकर तारीफ की है। इस वजह से काफी लोग वहां जाने लगे हैं। क्या तुर्किये का पर्यटन हमारे देशवासियों के जीवन से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है? जिस देश की सरकार उन लोगों की मदद करती है, जो हमारे सैनिकों और आम नागरिकों का खून बहाते हैं, वहां घूमने जाना कौनसी अक्लमंदी की बात है?

हम तुर्किये के खजाने में धन भेजकर अपने देशवासियों के लिए संकट मोल लेते हैं। अब इस देश के पर्यटन का पूरी तरह बहिष्कार होना चाहिए। बात यहीं पर न रुके। तुर्किये से बड़ी तादाद में सेबों का आयात किया जाता है। लोग उन्हें बड़े चाव से खाते हैं। जो देश हमारे घरों में बम फेंकने का इरादा रखता है, हम उससे सेब खरीद रहे हैं! क्या हमारे देश में सेबों की कमी है? हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर के सेब अपने स्वाद के लिए दुनिया में मशहूर हैं। अब तो हमारे कृषि वैज्ञानिक मैदानी इलाकों में सेब की खेती करने के तरीकों पर काम कर रहे हैं। भारत में सैकड़ों फलों की खेती होती है। उनकी कई तरह की किस्में हैं, जो अपनी खूबियों के लिए जानी जाती हैं। हमारे बाजारों में फलों के ढेर लगे हुए हैं। इसके बावजूद हमें ऐसे फल क्यों खाने हैं, जिनसे हमारे दुश्मन को आर्थिक लाभ हो? अपने देश के फल खाएं, ताकि अपने किसानों का जीवन स्तर बेहतर हो। तुर्किये के सेब सस्ते या मुफ्त में मिलें, तो भी न लें। हर साल तुर्किये में भारत की कई फिल्मों और धारावाहिकों की शूटिंग होती है। इससे उसे करोड़ों रुपए की आमदनी होती है। निर्माताओं, निर्देशकों और कलाकारों को चाहिए कि वे दूसरे विकल्प तलाशें। ऐसे देशों को हमसे एक रुपए की भी कमाई नहीं होनी चाहिए, जो भारत से दुश्मनी रखते हैं। हमसे कमाएं और हम पर ही बम बरसाएं ... अब यह नहीं चलेगा। भारत में तुर्किये से मार्बल का आयात किया जाता है। हमारे कई शहरों में मार्बल के व्यापारियों ने तुर्किये का बहिष्कार शुरू कर दिया है, जो प्रशंसनीय है। देश सुरक्षित रहेगा तो व्यापार सुरक्षित रहेगा। इन व्यापारियों से अन्य लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। हमारे सैनिकों ने दुश्मन के होश ठिकाने लगा दिए हैं। उन्होंने मोर्चा संभाल रखा है और जब जरूरत पड़ेगी, पुन: कार्रवाई करेंगे। अब हमारी बारी है। पाकिस्तान और उसके हिमायती देशों, संगठनों, लोगों को हमारी ओर से किसी तरह का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज बाड़मेर स्थित श्री बहाड़राव राजपूत हॉस्टल में आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया। श्री राजपूत समाज सेवा समिति, बाड़मेर द्वारा दिए गए इस आत्मीय सम्मान के लिए हृदय से आभार। समाज की एकता, शिक्षा और सेवा के लिए समिति का कार्य सराहनीय है।

-मदन राठौड़

भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करने पर माननीय न्यायमूर्ति श्री बी.आर. गवई जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं हमें विश्वास हैं कि आपके नेतृत्व में भारत की न्यायपालिका और अधिक सशक्त, निष्पक्ष एवं न्यायप्रिय बनेगी।

-दीया कुमारी

अतुल्यनीय वीरता व अटूट समर्पण के प्रतीक मराठा गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र, संभाजी महाराज जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। धर्म, संस्कृति व राष्ट्र की रक्षार्थ आपका संघर्ष और बलिदान हम सभी को जीवन पर्यंत माँ भारती की सेवा हेतु प्रेरित करता रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अहंकार और आत्मज्ञान

महर्षि उद्दालक के पुत्र श्वेतकेतु ने बारह वर्षों तक गुरुकुल में रहकर वेद-शास्त्रों का अध्ययन किया। जब वह घर लौटा तो उसे यह मिथ्या अभिमान हो गया कि वह बड़ा ज्ञानी है। इसी मिथ्या अभिमान के कारण उसने परंपरा के अनुसार अपने पिता को प्रणाम तक नहीं किया। उद्दालक दुखी हो गए। उद्दालक ने श्वेतकेतु से पूछा कि तुम क्याक्या सीख कर आए हो? उसने कहा, सब सीख कर आया हूं। महर्षि उद्दालक समझ गए कि पुत्र को अभिमान हो गया है, जबकि विद्या से विनम्रता आनी चाहिए। उन्होंने अपने पुत्र से कहा, 'बेटे, मैं यह जान गया हूं कि तुम बहुत बड़े विद्वान बन गए हो। लेकिन फिर भी मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। मुझे बताओ कि वह कौन-सी वस्तु है, जिसका ज्ञान प्राप्त करने से सब वस्तुओं का ज्ञान हो जाता है।' श्वेतकेतु ने बहुत सोचा, लेकिन उस प्रश्न का उत्तर न दे सका। पिता के चरणों में गिरते हुए उसने कहा, 'मैं इसका उत्तर नहीं दे सकता।' तब उद्दालक ऋषि ने कहा, 'जिस तरह मिट्टी को जान लेने से मिट्टी से बनी सभी वस्तुओं और सोने को जान लेने से सोने से बनी सभी वस्तुओं का ज्ञान हो जाता है, उसी तरह आत्मा को जान लेने से जीवन के सभी पहलुओं का ज्ञान हो जाता है।

सामयिक

प्रधानमंत्री मोदी का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

अमेरिका ने जल्दबाजी में भारत-पाकिस्तान युद्धविराम का श्रेय लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्वीट किया और वाशिंगटन डीसी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दुनिया को बताया कि हमने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोक दिया। अगर दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध हुआ होता, तो लाखों लोगों का नरसंहार होता। अगर युद्ध नहीं रोका गया होता, तो हम व्यापार नहीं करते। डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि उन्होंने दोनों देशों को ऐसी चेतावनी दी है। उन्होंने सुझाव दिया है कि अमेरिका अब से भारत और पाकिस्तान पर कड़ी नजर रखेगा। दुनिया में यही संदेश गया है कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों के गले से अपना एजेंडा उतार दिया है।

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पहलगाम हमले की भारतीय प्रतिक्रिया, जाहिर है, बहुत सफल रही है। हमारी सेना ने सिर्फ आतंकी ठिकानों पर ही सटीक हमला नहीं किया, बल्कि पाक सेना के उकसावे पर उसके सैन्य ठिकानों पर भी जबर्दस्त हमला बोला। जवाबी कार्रवाई में चीन और तुर्किये की मिसाइलें और युद्धक विमान धरे के धरे रह गये। यह भी साफ है कि भारत के हमलों से घबराकर पाकिस्तान को अमेरिका की शरण में जाना पड़ा और संघर्षविराम पर सहमति बनी। हालांकि उसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और जब-तब पाक सैनिकों की तरफ से संघर्षविराम के उल्लंघन के ब्योरे आ रहे हैं।इस पृष्ठभूमि में हमारे प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान को बहुत ठोस संदेश दिया है। उन्होंने बहुत अर्थपूर्ण ढंग से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब आतंकवाद के खिलाफ भारत की नयी नीति है। इसका मतलब यह है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान की तरफ से आतंकी हमले की हिमाकत होती है, तो इसी तरह से करारा जवाब दिया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान का न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत जरा भी सहने वाला नहीं है।

वैसे भी पाकिस्तान पर कैसे भरोसा किया जाए, जिसने आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से भारत में रक्तपात किया है। देश के विभाजन के बाद से पाकिस्तान में कभी शांति नहीं रही है। पाकिस्तान से प्रेरित आतंकवाद पिछले छह दशकों से देश में कहर बरपा रहा है। भारत और पाकिस्तान दोनों द्वारा युद्धविराम अपनाने के बाद, दोनों देशों की सीमा पर गोलीबारी और बमबारी की आवाजें शांत हो गईं। एक-दूसरे पर ड्रोन हमले बंद हो गए। पहलगाम नरसंहार के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को झकझोर कर रख दिया था। जहां भारतीय सेना पाकिस्तान को स्थायी सबक सिखाने में सक्रिय थी, वहीं अचानक युद्धविराम की घोषणा ने लाखों भारतीयों को चौंका दिया। हम पाकिस्तान पर कैसे भरोसा कर सकते हैं, जो हिंसा, आतंकवाद और मानव रक्त से ग्रस्त है? यही वह सवाल है जिसने चर्चा पैदा कर दी है।

देश के विभाजन के बाद से भारत ने कई बार पाकिस्तान के साथ समझौता और संघर्ष विराम की कोशिश की है, संघर्ष विराम प्रस्ताव को मंजूरी दी है, लेकिन घुसपैठ और पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद कभी नहीं रुका है। भारत ने आज तक पाकिस्तान को कई बार माफ किया है। यह आश्चर्य की बात है कि पहलगाम नरसंहार में 26 भारतीय महिलाओं के विधवा होने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक ट्वीट पर ऑपरेशन सिंदूर रुक गया।भारत-पाक युद्धविराम के बाद कई सवाल अनुत्तरित हैं: जब भारतीय सेना पाकिस्तानी आतंकवाद का मुकाबला कर रही थी और ड्रोन और मिसाइलों के साथ दुश्मन राष्ट्र पर असाधारण गति से उड़ रही थी, तब अचानक लाल झंडा क्यों उठाया गया? ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद पाकिस्तान में हर दिन बड़ी गिरावट देखी जा रही थी। भारत की सैन्य-सशस्त्र ताकत और मजबूत अर्थव्यवस्था का सामना पाकिस्तान कितना कर पाएगा? ऑपरेशन सिंदूर ने चार दिनों में पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया। कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर भारी हमला किया गया। पाकिस्तान की रडार प्रणाली कई स्थानों पर नष्ट हो गई। रक्षा प्रणालियों को कई स्थानों पर नष्ट कर दिया गया। भारत ने नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। भारत ने शुरू में आतंकवाद के विरोध में कूटनीतिक रूप से विरोध किया, फिर व्यापार और निर्यात बंद कर दिया और पाकिस्तान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। बंद। पाकिस्तानी राष्ट्रिकों को देश से वापस भेज दिया गया था।सेना तैनात की, फिर सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले किए। फिर जमीन के साथ-साथ नौसेना और वायु सेना से भी हमले हुए। ब्रह्मोस के भीषण हमले के बाद, पाकिस्तान का खतरा हिल गया था। ब्रह्मोस मिसाइल की रेंज 290 किमी है और यह 2500 किमी की गति से हमला कर सकती है। पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइलों से हमला किया गया लेकिन भारत ने प्रत्येक मिसाइल को रोक दिया और बेअसर कर दिया। दोनों देशों के पास परमाणु क्षमताएं हैं। अगर परमाणु हमला होता तो बड़ा नरसंहार होता, इसलिए पाकिस्तान ने तत्काल युद्धविराम के लिए मदद के लिए अमेरिका से संपर्क किया। ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत न केवल अपने आसमान की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि वह इसे नियंत्रित करता है।

अमेरिका ने जल्दबाजी में भारत-पाकिस्तान युद्धविराम का श्रेय लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्वीट किया और वाशिंगटन डीसी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दुनिया को बताया कि हमने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोक दिया। अगर दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध हुआ होता, तो लाखों लोगों का नरसंहार होता। अगर युद्ध नहीं रोका गया होता, तो हम व्यापार नहीं करते। डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि उन्होंने दोनों देशों को ऐसी चेतावनी दी है। उन्होंने सुझाव दिया है कि अमेरिका अब से भारत और पाकिस्तान पर कड़ी नजर रखेगा। दुनिया में यही संदेश गया है कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान दोनों के गले से अपना एजेंडा उतार दिया है। प्रधान मंत्री मोदी ने 12 मई को देश के नाम अपने संबोधन में 'हम' या डोनाल्ड ट्रम्प शब्द नहीं बोले। उसने गलती से ऐसा नहीं कहा। वास्तव में, उन्होंने अपने भाषण में संयुक्त राज्य अमेरिका का उल्लेख भी नहीं किया।

ट्रम्प और मोदी ने संघर्ष विराम पर हस्ताक्षर किए जाने के कारणों को समझाने में मतभेद किया। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने भारतीय सेना से संपर्क किया। उन्होंने भारत से युद्ध विराम पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया। भारत ने युद्धविराम स्वीकार कर लिया क्योंकि उन्होंने आश्वासन दिया कि पाकिस्तान अब आतंकवादी गतिविधियों या सैन्य गतिविधियों को अंजाम नहीं देगा। पाकिस्तानी सेना के अधिकारी द्वारा किए गए आह्वान पर भरोसा करके युद्ध विराम कैसे स्वीकार किया जा सकता है? इतना बड़ा फैसला लेने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों, रक्षा मंत्रियों के साथ-साथ सेना प्रमुखों के बीच एक एजेंडे को ध्यान में रखकर चर्चा होनी चाहिए थी। भारत ने यह नहीं कहा है कि अमेरिका ने मध्यस्थता नहीं की या ट्रम्प का बयान गलत है। उधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने मध्यस्थता के लिए ट्रंप का शुक्रिया अदा किया है।

भारत ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प थे जिन्होंने मध्यस्थता करने की पहल की थी, जिससे भारत को संघर्ष विराम स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि सीजफायर के बाद पाकिस्तान में जश्न शुरू हो गए थे। भारत द्वारा युद्धविराम स्वीकार करने की घोषणा से पहले ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्वीट किया कि दोनों देश संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं। मोदी के भाषण से एक घंटे पहले ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और दोनों देशों को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने अपने हथियार नहीं छोड़े तो वे कारोबार करना बंद कर देंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता के लिए तैयार हैं।

भारत ने कभी नहीं कहा कि अमेरिका को भारत-पाक युद्ध में मध्यस्थता करनी चाहिए। भारत की स्थिति यह है कि कश्मीर मुद्दे में कोई मध्यस्थ नहीं होगा। तो डोनाल्ड ट्रम्प वैश्विक अंपायर की भूमिका में आगे क्यों आ रहे हैं? अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने युद्धविराम की संभावना पर चर्चा करने के लिए भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्री और विदेश सचिव के साथ रात बिताई। यह भी आश्चर्य की बात है कि ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 1 बिलियन का ऋण मंजूर कर रहा था। भारत ने समय-समय पर दुनिया के सामने इसका सबूत पेश किया है। तब यह अकल्पनीय लगता है कि भारत पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों की बातों पर विश्वास करते हुए युद्धविराम को स्वीकार कर ले।

ऑपरेशन सिंदूर के चार दिनों के भीतर, भारत और पाकिस्तान ने युद्ध विराम में प्रवेश किया। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इसे स्थायी युद्धविराम कहने के बावजूद, नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को अभी के लिए स्थगन कहा है। पाकिस्तान में घुसपैठ करने और पाकिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने के दौरान भारत की कार्रवाई पूरी तरह से रुक गई है। क्या ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को जबरदस्त सबक सिखाया? क्या आपको पहलगाम या पुलवामा से आतंकवादी मिले? क्या बदला लेना संतोषजनक था? क्या पाकिस्तान में घुसकर मार डालना हासिल हो गया, चुन चुन के मारेंगे? पाकिस्तान पर भरोसा कर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को फिलहाल रोक दिया, लेकिन किसके लिए?

नजरिया

परिवार से शुरू होती है संस्कार की शिक्षा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

विश्व परिवार दिवस 15 मई को मनाया जाता है। परिवार के सम्बन्ध में देशभर से मिल रही ख़बरे बेहद चिंताजनक है। परिवार को हमारे समाज में सामाजिक और सार्वभौमिक संस्था के रूप में स्वीकारा गया है। अनुशासन, आपसी स्नेह और भाईचारा तथा मर्यादा, परिवार को एक खुशहाल परिवार बना देता है। बुजुर्गों का कहना है जिस परिवार में एकता की भावना होती है, उसी घर में ही सुख-शांति और सम्पन्नता का निवास होता है। यही सामाजिक संस्था आज खंडित होने की स्थिति में है। परिवार और बिखरते रिश्ते आज समाज की एक जटिल सच्चाई बन गए हैं। परिवार की व्यवस्था आज की नहीं है, बल्कि ऋषि-मुनियों की देन है। लेकिन आज दरकते रिश्तों से परिवार व्यवस्था टूट रही है जो समाज के लिए ठीक नहीं है। आज भी देश और दुनियां, परिवार और संयुक्त परिवार की अहमियत को लेकर विवादों में उलझी है। भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। वह भी एक जमाना था जब भरा पूरा परिवार हँसता खेलता और चहकता था और एक दूसरे से जुड़ा रहता था। बच्चों की किलकारियों से मोहल्ला गूंजता था। पैसे कम होते थे पर उसमे भी बहुत बरकत होती थी। घर में कोई हंसी खुशी की बात होती थी तो बाहर वालों को बुलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं और टूटते जा रहे हैं। हमारे रिश्ते बिखरते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार की आज के समय में महती आवश्यकता है। संयुक्त परिवारों के अभाव में भाईचारा एवं पारिवारिक वातावरण खत्म होने लगा है। परिवार में रिश्तो की नीरसता और संवादहीनता को दूर करने परस्पर भाईचारे व तालमेल को बैठाने के लिए रिश्तो में सकारात्मक सोच को बढ़ाने की जरूरत है। परिवार के सभी छोटे हुए बड़े सदस्यों की भावनाओ का सम्मान करे तथा दिन भर घटित होने वाली छोटी-छोटी बातों और दुख-सुख को आपस में बांटे करे।

संयुक्त राष्ट्र ने 1994 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष घोषित किया था। समूचे संसार में लोगों के बीच परिवार की अहमियत बताने के लिए हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाने लगा है। आज बहुत.से ऐसे परिवार हैं जिन्हें एक.दूसरे से खुलकर बात करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिल पाता। आज के जमाने में लाइफ स्टाइल कितनी बदल गयी है। बच्चे बहुत छोटी उम्र में ही स्कूल जाना शुरू कर देते हैं। बहुत.से माता.पिता काम पर चले जाते हैं। जो थोड़ा.बहुत समय वे साथ होते भी हैं वह भी टीवी.कंप्यूटर या फोन पर चला जाता है। बहुत.से परिवारों में बच्चे और माता.पिता अजनबियों की तरह अपनी.अपनी जिंदगी जीते हैं। उनके बीच जरा.भी बातचीत नहीं होती। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में परिजनों से आपस में बात करने में जो खुशी और आनंद मिलता है उसकी कल्पना शब्दों में नहीं की जा सकती। परिजनों से बात करने का सुख अब बिरलों को ही मिल पाता है। इससे तनाव कम होने के साथ विभिन्न पारिवारिक दिक्कतों और समस्याओं का एक ही जाजम पर हाथोंहाथ निपटारा हो जाता है। परिवार मर्यादा और आदर्श का जीवंत उदहारण है। यह सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज का अस्तित्व नामुमकिन है। फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है जो सबको एक साथ जोड़ कर रखता है। अक्सर देखा जाता है परिजन रहते एक छत के नीचे है मगर उनमें आपसी बातचीत नहीं हो पाती है। इससे परिवार में घुटन और तनाव के साथ असुरक्षा का भाव रहता है। यदि एक दिन में एक घंटे भी परिजन साथ बैठ कर बातचीत करलें तो परिवार की खुशियां द्विगुणित हो सकती है।

हमारा देश भारत, विश्व में परिवार मर्यादा और आदर्श का जीवंत उदहारण है। यह सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज का अस्तित्व नामुमकिन है। पहले मानव एक कबीले के रूप में रहता था। सभ्यता और संस्कृति के विकास के साथ परिवार की परिभाषा भी बदलती गई। आज संयुक्त परिवार भी विघटन के कगार पर है। लोग एकाकी रहने लगे है। सियासी प्रगति की अंधी दौड़ में हमने दुनिया को अवश्य अपनी मुट्ठी में कर लिया है मगर परिवार नामक संस्था से विमुख होते जा रहे है। इसी का नतीजा है देश में पारिवारिक समस्याएं बढ़ती जा रही है जिसका खामियाजा बच्चे से बुजुर्ग तक को उठाना पड़ रहा है। एक ही परिवार में धीरे धीरे एक दूसरे से आपसी बातचीत बंद होने से अनेक समस्याएं उठ खड़ी हुई है। समय रहते बातचीत का रास्ता नहीं खुला तो तनाव, घुटन और अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। बातचीत और आपसी संवाद खुशियों का खजाना है जिससे मरहूम होना किसी भी परिवार के लिए संभावित व्याधि को आमंत्रित करना है। महानगरीय संस्कृति ने परिवार व्यवस्था को मटियामेट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है फलस्वरूप मानव को अनेक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर परिवार विघटित होने से समाज व्यवस्था गड़बड़ाने लगी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुकेश अंबानी दोहा में ट्रंप से करेंगे मुलाकात, रात्रिभोज में होंगे शामिल

नई दिल्ली/भाषा। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए दोहा जा रहे हैं। यह इस साल जनवरी में ट्रंप के पद संभालने के बाद उनकी दूसरी मुलाकात होगी। सूत्रों ने कहा कि अंबानी कतर के अमीर द्वारा ट्रंप के सम्मान में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में शामिल होंगे। यह रात्रिभोज दोहा के लुसैल पैलेस में आयोजित होगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस संदर्भ में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया। हालांकि, किसी तरह की व्यापारिक चर्चाएं होने की संभावना नहीं है लेकिन रिलायंस समूह के तेल से लेकर खुदरा कारोबार तक अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्णयों से प्रभावित होते हैं। रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चे तेल का आयात दोबारा शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। हालांकि, वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के आदेश के बाद मार्च में इसे रोकना पड़ा था।

रिलायंस अमेरिकी बाजार में रूस जैसे देशों से खरीदे गए कच्चे तेल से बने ईंधन भी बेचती है। साथ ही गूगल और मेटा जैसी दिग्गज अमेरिकी कंपनियों ने अंबानी के डिजिटल उद्यम में इक्विटी हिस्सेदारी ली है। रिलायंस के कतर के साथ भी व्यापारिक संबंध हैं। खाड़ी देश के सरकारी कोष कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने अंबानी के खुदरा उद्यम में लगभग एक अरब डॉलर का निवेश किया है।

अंबानी और उनकी पत्नी नीता जनवरी में ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। वे उन चुनिंदा 100 लोगों में भी शामिल थे, जिन्होंने शपथ ग्रहण से एक दिन पहले ट्रंप के साथ एक रात्रिभोज में शिरकत की थी। अंबानी के ट्रंप परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। जब ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप 2017 में ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आई थीं, तब अंबानी भी वहां मौजूद थे।

ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति अल-शरा से सऊदी अरब में की मुलाकात

रियाद/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। दोनों देशों के नेताओं की 25 साल बाद यह पहली मुलाकात थी। इस मुलाकात को सीरिया के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की स्थिति से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है।

खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के नेताओं के साथ ट्रंप की मुलाकात से इतर हुई यह वार्ता 'असद परिवार' के 50 साल से अधिक के कठोर शासनकाल से उबर रहे सीरिया के लिए एक बड़ा घटनाक्रम है। ट्रंप ने वार्ता के बाद एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए अल-शरा की तारीफ की और कहा, वह एक युवा और आकर्षक व्यक्ति हैं। सख्त व्यक्ति है। उनका बहुत मजबूत अतीत रहा है। वह फाइटर हैं।ट्रंप ने कहा, वह वास्तविक नेता हैं। उन्होंने जिम्मा उठाया है और वह बहुत अद्भुत हैं। बुधवार को हुई मुलाकात इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि अल-शरा, अबू मोहम्मद अल-गोलानी के नाम से अल-कायदा से जुड़े थे और सीरियाई युद्ध में हिस्सा लेने से पहले इराक में अमेरिकी बलों से लड़ने वाले विद्रोहियों में शामिल थे। अमेरिकी बलों ने उन्हें कई वर्ष तक वहां कैद रखा था। ट्रंप ने पश्चिम एशिया के तीन देशों की यात्रा की शुरुआत करते हुए एक दिन पहले रियाद में घोषणा की थी कि वह पूर्व तानाशाह बशर अल-असद के शासन में सीरिया पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने के लिए कदम उठाएंगे। ट्रंप के इस बयान के बाद सीरिया में मंगलवार रात को लोगों ने जश्न मनाया और आतिशबाजी की। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके देश को ऐसे समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से जगह बनाने में मदद मिलेगी, जब उन्हें निवेश की सबसे अधिक आवश्यकता होगी।ट्रंप और अल-शरा की मुलाकात से पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति से सीरिया पर लगे प्रतिबंध न हटाने का आह्वान किया था।

तिरंगा यात्रा

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तिरंगा थामकर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने के लिए 'तिरंगा यात्रा' में हिस्सा लिया।

सांबा में ड्रोन देखे जाने पर परिणीति चोपड़ा ने जाहिर किया गुस्सा, कहा- 'शब्द नहीं है'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी और देश की सुरक्षा को लेकर अपना नजरिया सामने रखा है। एक्ट्रेस ने अपने 'इंस्टाग्राम' अकाउंट के स्टोरी सेक्शन पर इस घटना की एक न्यूज रिपोर्ट शेयर की, जिसमें बताया गया है कि सांबा में 'ब्लैकआउट' के बीच भारत की वायु रक्षा ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 मई को दिए गए भाषण के बाद हुई। जम्मू-कश्मीर के सांबा में ड्रोन देखे जाने पर परिणीति चोपड़ा ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा- 'शब्द नहीं है' इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए परिणीति ने पोस्ट में आगे लिखा, ''इस बारे में कुछ कहने के लिए मेरे पास शब्द ही नहीं हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई को देख हर कोई उनके शौर्य को सलाम कर रहा है। इस कड़ी में एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर उन्हें देश की रक्षा करने के लिए खास अंदाज में धन्यवाद दिया। भारतीय सेना का आभार जताने के लिए बिपाशा बसु ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने थल सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स में विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ''धन्यवाद भारतीय सेना, भारत माता की जय, जय हिंद।'' बिपाशा से पहले सोनाली बेंद्रे ने सेना की सराहना करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, ''हमारे सशस्त्र बलों की गरिमा को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे देशवासियों के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं और ऐसा केवल अपने कर्तव्य और धरती के प्रति प्रेम के कारण होता है।'' बेंद्रे ने कहा, ''हम उनके साहस और हमें सुरक्षित रखने के लिए सदैव आभारी हैं। वे हैं तो हम कल की चिंता किए बिना शांति से सो सकते हैं। उनका साहस हमें बहुत कुछ सिखाता है।

फिल्म 'ओजी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म 'ओजी' की शूटिंग हैदराबाद में एक धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस के साथ फिर से शुरू हो गयी है। निर्देशक सुजीत निर्देशित और प्रतिष्ठित डीवीवी एंटरटेनमेंटस बैनर के तहत डीवीवी दानय्या द्वारा वित्तपोषित फ़िल्म ओजी की शूटिंग आधिकारिक तौर पर हैदराबाद में शुरू हो गयी है। ओजी के नए शेड्यूल की शुरुआत एक्शन सीक्वेंस के साथ की गयी है। इस पल को यादगार बनाने के लिए, निर्माताओं ने सेट से एक नई तस्वीर जारी की, जिसमें प्रशंसकों को फ़िल्म की एक झलक दिखाई गई। इस तस्वीर ने पहले ही सोशल मीडिया पर चर्चा को हवा दे दी है, जिससे आने वाली फ़िल्म के लिए उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, मल्ली मोधालेंडी... ईसारी मुगिद्दाम... ओजी देकॉलहिमओजी। फिल्म ओजी में बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

इस फिल्म में श्रीया रेड्डी और प्रकाश राज भी अहम भूमिका में हैं। संगीत एस थमन द्वारा रचित है और कहानी सुजीत ने लिखी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई में अपने आधिकारिक निवास 'वर्षा' में शिष्टाचार भेंट के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के साथ।

पहली बार अपने गृह राज्य बिहार में शूटिंग कर भावुक हुए पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता पंकज त्रिपाठी पहली बार अपने गृह राज्य बिहार में फिल्म की शूटिंग कर भावुक हो गये हैं। पंकज त्रिपाठी के लिए अपने जड़ों की ओर लौटना हमेशा से एक खास सपना रहा है। और अब, दुनियाभर में अपने शानदार अभिनय से दिल जीतने के बाद, पंकज पहली बार अपने करियर में अपने गृह राज्य बिहार में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इस फिल्म को 'ओह माय गॉड 2' फेम अमित राय निर्देशित कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि पंकज त्रिपाठी और अमित राय दोनों ही बिहार से हैं, और ये पहली बार है जब दोनों एकसाथ अपने गृह राज्य में शूटिंग कर रहे हैं।

यह मौका दोनों के लिए बेहद खास और भावुक करने वाला है। बिहार फिल्म निगम के समर्थन से बन रही इस फिल्म में पवन मल्होत्रा, राजेश कुमार और बिहार के कई प्रतिभाशाली कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग 35 दिनों तक बिहार की असली लोकेशंस पर की जा रही है, जिससे कहानी को एक सच्ची और गहराई से जुड़ी हुई पृष्ठभूमि मिल रही है। इस खास मौके पर पंकज त्रिपाठी ने भावुक होकर कहा,शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि ये पल मेरे लिए क्या मायने रखता है।

मेरा सफर बिहार के एक छोटे गांव की गलियों से नुक्कड़ नाटक और थिएटर करते हुए शुरू हुआ था। तब कभी सोचा नहीं था कि एक दिन फिल्म क्रू के साथ उन्हीं गलियों में लौटूंगा। हिंदी सिनेमा में दो दशक से ज्यादा वक्त बिताने के बाद ये पहली बार है जब मैं अपने गृह राज्य में फिल्म की शूटिंग कर रहा हूं। ऐसा लगता है जैसे जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर वहीं लौट आई है, जहां से शुरुआत हुई थी। हिंदी फिल्मों की शूटिंग बिहार में बहुत कम होती है । आखिरी जो मुझे याद है वो 2003 में मनोज बाजपेयी की 'शूल' थी , तो ये अनुभव मेरे लिए बेहद खास और लंबे समय से बाकी था। पंकज त्रिपाठी ने कहा, जब कहानी आपकी मिट्टी से जुड़ी हो, तो उसमें एक अलग ही जादू होता है। यहां हर सीन, हर लोकेशन, हर चेहरे से एक गहरा जुड़ाव महसूस होता है। अमित राय के साथ दोबारा काम करना ,जो खुद भी बिहार से हैं इस प्रोजेक्ट को और भी निजी बना देता है। हम दोनों को यहां की भाषा, भावनाएं और संस्कृति की बारीक समझ है और वो स्क्रीन पर जरूर झलकेगी। ये फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे लिए उस धरती को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है, जिसने मुझे बनाया।

'नवाज शरीफ की निगरानी में तैयार हुई भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की रूपरेखा'

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ दल 'पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज' (पीएमएल-एन) की एक वरिष्ठ नेता ने बुधवार को दावा किया कि भारत के खिलाफ सैन्य अभियान की रूपरेखा पार्टी अध्यक्ष नवाज शरीफ की देखरेख में तैयार की गई थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज शरीफ खुद तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने चार दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष समाप्त करने पर बनी सहमति पर पाकिस्तान के असैन्य और सैन्य नेतृत्व को बधाई दी थी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने दावा किया, '' भारत के खिलाफ पूरे अभियान की रूपरेखा पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ की देखरेख में तैयार की गई थी।''

उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ ''ए, बी, सी, डी टाइप के नेता नहीं हैं बल्कि उनका काम बोलता है।'' मंत्री ने दावा किया, '' यह नवाज शरीफ ही थे जिन्होंने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति बनाया और अब उन्होंने भारत के खिलाफ पूरे अभियान की रूपरेखा तैयार की।'' भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में सात मई की सुबह पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए। भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की।

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी 'धड़कन'

मुंबई/एजेन्सी

साल 2000 में रिलीज हुई धर्मेश दर्शन की सफल रोमांटिक ड्रामा 'धड़कन' सिनेमाघरों में फिर से दस्तक देने जा रही है। शिल्पा शेट्टी, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी स्टारर 'धड़कन' इसी महीने सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मल्टीस्टारर टाइमलेस रोमांटिक फिल्म 'धड़कन' 23 मई को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म को भारत के चुनिंदा सिनेमाघरों में डिजिटल रूप से रीमास्टर्ड फॉर्मेट में बेहतर पिक्चर और साउंड क्वालिटी के साथ रिलीज किया जाएगा। धर्मेश दर्शन के निर्देशन में बनी 'धड़कन' प्यार, दिल टूटने और जिंदगी के उतार-चढ़ाव पर आधारित कहानी को पर्दे पर उतारती है। फिल्म में शिल्पा शेट्टी 'अंजलि' की भूमिका में थीं। वहीं, सुनील शेट्टी उनके प्रेमी 'देव' की भूमिका में थे। लव ट्रायंगल बेस्ड फिल्म में अक्षय कुमार, शिल्पा के पति 'राम' के किरदार में थे। फिल्म के स्टारकास्ट, कहानी के अलावा गीत को भी काफी पसंद किया गया।

'तुम दिल की धड़कन में रहते हो', 'अक्सर इस दुनिया में अंजाने मिलते हैं', 'ना-ना करते प्यार', 'दूल्हे का सेहरा सुहाना लगता है' समेत कई गाने हैं, जिन्हें आज भी लोग गाते हैं। इस साल कई पुरानी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी हैं। इस लिस्ट में विपुल अमृतलाल शाह के निर्देशन में बनी 'नमस्ते लंदन' भी है। इसमें ऋषि कपूर, अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, नीना वाडिया, जावेद शेख, उपेन पटेल और हॉलीवुड अभिनेता क्लाइव स्टैंडन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में 14 मार्च को रिलीज हुई थी।

इसके अलावा आयुष्मान खुराना और यामी गौतम की 'विक्की डोनर', राधिका आप्टे की 'हंटर', आलिया भट्ट और रणदीप हुड्डा की 'हाइवे', अभय देओल की 'रोड, मूवी' के अलावा 'सनम तेरी कसम', 'पद्मावत', 'ये जवानी है दीवानी', 'बीवी नंबर-1' भी फिर से रिलीज की जा चुकी हैं। वहीं, सिनेमाघरों में 'कहो ना प्यार है', 'कल हो ना हो', 'लैला मजनू', 'रॉकस्टार', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'करण अर्जुन', 'रहना है तेरे दिल में', 'तुम्बाड', 'सत्या' के साथ ही अन्य कई फिल्में आ चुकी हैं।

सीज फायर उल्लंघन की खबर सुन आहत दीपिका कक्कड़ ने पुराने दिनों को किया याद

मुंबई/एजेन्सी

भारत-पाकिस्तान सीजफायर से आहत टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने सोशल मीडिया पोस्ट में दिल का दर्द बयां किया। पाकिस्तान की कायराना हरकत और आतंकवाद को लेकर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अपनी इंस्टापोस्ट में दीपिका ने लिखा, ''कुछ ही घंटों में युद्धविराम का उल्लंघन... पाकिस्तान की एक और कायरतापूर्ण हरकत! यह न केवल समझौते की भावना का अनादर है, बल्कि शांति की उम्मीद पर भी प्रहार है! पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को शरण देता है और फिर दिखावे के लिए कहता है कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह उनकी पुरानी आदत है! एक आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते मैंने बचपन से ही युद्ध की पीड़ा को सुना और महसूस किया है। युद्ध सैनिकों और उनके परिवारों के लिए बेहद दर्दनाक और डरावना अनुभव होता है!!! और सीमा के पास रहने वाले आम नागरिकों के लिए भी यह समय कितना भयानक होता है, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। कोई भी युद्ध नहीं चाहता। सब यही चाहते हैं कि समस्या का समाधान हो, शांति बनी रहे। लेकिन जब सामने वाला देश कुछ और कहता है और करता कुछ और है, तो फिर जवाब देना ही एकमात्र रास्ता बचता है, अपने देश और लोगों की सुरक्षा के लिए। हमारे जवान डटे हुए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद।''

बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल रोकने पर सहमति जताई। अचानक सीजफायर की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर की। इसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने औपचारिक घोषणा की। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा, अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। कॉमन सेंस और महान बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के लिए दोनों देशों को बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आप लोगों का धन्यवाद! इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर में रात के समय ड्रोन से हमला किया।

तनाव से पसरी खामोशी मिटेगी और शांति कायम होगी : आलिया भट्ट

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी सैन्य संघर्ष के दौरान बहादुरी के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा में मंगलवार को एक भावुक पोस्ट की। अपने 'इंस्टाग्राम' पोस्ट में 32 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि पिछली कुछ रातें अलग थीं क्योंकि हर कोई यह जानने के लिए बेचैन था कि सीमा पर क्या हो रहा है। उन्होंने सैनिकों के परिवारों पर पड़ने वाले ऐसे क्षणों के भावनात्मक प्रभाव का भी जिक्र किया।आलिया ने लिखा, ''देश के लोगों ने अपनी सांसें थाम रखी थीं, एक तरह की खामोशी पसरी हुई थी। पिछले कुछ दिनों में हमने उस खामोशी को महसूस किया है। उस शांत बेचैनी को महसूस किया है। तनाव की वो बेचैनी हर बातचीत, हर खबर की आहट, हर खाने की मेज के आसपास महसूस की जा सकती थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें यह जानकर जिम्मेदारी का एहसास होता है कि कहीं दूर वादियों में हमारे सैनिक जाग रहे हैं, सतर्क हैं और जोखिम का सामना कर रहे हैं। हममें से अधिकतर लोग जब अपने अपने घरों में आराम कर रहे होते हैं, तब कहीं दूर अंधेरी रात में वो वीर सिपाही (पुरुष और महिलाएं) हमारी रक्षा के लिए जाग रहे होते हैं ताकि हम चैन की नींद सो सकें और यही हकीकत है...।''

आलिया ने ''देश के इन वास्तविक नायकों को पालने वाली माताओं'' को नमन करते हुए कहा कि हर सैनिक के पीछे एक मां होती है, जो चिंता में कभी सो नहीं पाती

है। उन्होंने कहा, ''एक मां जो जानती है कि उसका बच्चा लोरियों की रात नहीं, बल्कि पल पल बदलती अनिश्चितता की रात का सामना कर रहा है। तनाव की रात का सामना कर रहा है। वह जानती है कि उसका लाल ऐसे माहौल में है जहां एक पल में शांति टूट जाती है। रविवार को हमने 'मदर्स डे' मनाया और हमने फूल बांटे और गले मिले...।'' आलिया ने दोनों देशों के बीच हाल में हुए संघर्ष में लोगों की मौत पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''...वो सैनिक जो अब कभी घर लौट कर नहीं आएंगे, जिनके नाम अब इस देश के मानस पर अंकित हो गए हैं। देश उनके प्रति कृतज्ञ है और उनके परिवार को देश की कृतज्ञता में अपनों को खोने का गम सहन करने की शक्ति मिले। इसलिए आज रात और आगे की हर रात, हम तनाव के कारण पसरी खामोशी के मिटने और शांति कायम होने की उम्मीद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हर उस माता-पिता को प्यार भेजिए जो अपने आंसुओं को थामे हुए बस दुआ कर रहे हैं, क्योंकि आपकी ताकत इस देश को उससे कहीं ज्यादा आगे ले जाती है जितना आप कभी सोच भी नहीं सकते। हम एक साथ खड़े हैं। हमारे रक्षकों के लिए। भारत के लिए। जय हिंद।'' भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों के प्रतिशोध में छह और सात मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इस हमले में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।इसके बाद सीमा के आरपार चार दिन तक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 15-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

निर्जरा का महान हेतु है विहार सेवा : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वी संयमलताजी ने शंकरपुरम से विहार करते हुए शांतिनगर में मंगल पदार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने साध्वीश्री का स्वागत किया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि विहार सेवा आत्मा की निर्जरा (आत्मशुद्धि) का महान हेतु है। जब साधु-संत विहार करते हैं, तो केवल उनका शारीरिक परिश्रम नहीं होता, अपितु समाज के प्रत्येक सदस्य को आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा का अवसर प्राप्त होता है।

विहार सेवा से तन-मन दोनों संतुलित रहते हैं। साध्वीश्री ने विशेष रूप से बेंगलूरु के श्रावक समाज की सराहना करते हुए कहा कि यहां का समाज सदैव साधु-संतों की सेवा में अग्रणी रहता है। जहां समर्पित और सजग श्रावक समाज होता है, वहां चातुर्मास और विहार स्वतः सहज, सरल, सफल और सार्थक बन जाता है।

इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर के परामर्शक जितेन्द्र घोषल, नरेंद्र सुराणा ने साध्वी संयमलताजी से निवेदन किया कि वे अधिक समय तक शांतिनगर में प्रवास करें।

इस अवसर पर तेयुप गांधीनगर के अध्यक्ष विमल धारीवाल, सहमंत्री अंकित छाजेड़, युवा वाहिनी सहसंयोजक ललित चोपड़ा, एटीडीसी आडगुड़ी के संयोजक पंकज सुराणा, मनोज पोखरणा सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

तेयुप के चिकपेट रक्तदान शिविर में एकत्र हुआ 25 यूनिट रक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा बुधवार को मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन चिकपेट की लाल बिल्डिंग के पास हुआ। शिविर का शुभारंभ खागा के पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, निर्मल नाहर, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल आदि ने किया। इस शिविर में 25 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

जैन हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में तेयुप के उपाध्यक्ष मनीष भंसाली, सहमंत्री अंकित छाजेड़, एमबीडीडी संयोजक दीपक कटारिया, सहसंयोजक शरण सेठिया, नवीन सेठिया, पंकज सुराणा, आलोक कुंडलियाँ, विक्रम सेठिया, विकास बाबेल, मोहित सुराणा एवं रणजीत कटारिया आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजाजीनगर में 'प्रेक्षाध्यान और मातृत्व' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय प्रेक्षा फाउंडेशन व तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में 'प्रेक्षाध्यान और मातृत्व कार्यशाला' का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि मातृत्व एक अनमोल और अद्भुत अनुभव है और मां का बच्चे से गहरा भावनात्मक और आध्यात्मिक सम्बन्ध बहुत जरूरी है।

मुख्य वक्ता डॉक्टर पूजा चौहान ने गर्भ संस्कार के बारे में बताते हुए कहा कि विशेष खानपान, प्राणायाम के साथ समुचित श्रम के नियोजन से माता एक दिव्य संतान के जन्म का आधार बनती हैं। साध्वीश्री सरलप्रभाजी ने ध्यान से होने वाले लाभ बताते हुए प्राणशक्ति बढ़ाने एवं दीर्घ श्वास प्रेक्षा करने की प्रेरणा दी।

साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने नौ मंगल भावना का प्रयोग करवाते हुए महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। उपासिका सुशीला दुग्गड़ ने भी अपने विचार रखे। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी और उनकी टीम सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंडल की मंत्री लता नवलखा ने संचालन किया। संगठन मंत्री रंजिता बोथरा ने धन्यवाद दिया।

जरूरतमंद उद्यमियों को निःशुल्क व्यापार करने का अवसर प्रदान कर रही है 'मातृछाया'

दो दिवसीय 'पहचान' सीजन-4 प्रदर्शनी 18 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित होटल त्रिशला रेजीडेंसी में 'मातृछाया' जैन महिला संगठन की ओर से 'पहचान' सीजन-4 शॉपिंग प्रदर्शनी का दो दिवसीय आयोजन 18 मई से किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य प्रायोजक मोवन बिल्ड प्रो कम्पनी के मोवनदेवी घेवरचंद सुजानी परिवार द्वारा किया जाएगा। मोवनदेवी सुजानी ने आशा जताई कि यह प्रदर्शनी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हें व्यवसाय में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जरूरतमंद महिलाओं द्वारा डिज़ाइनर साड़ीज, फैशनेबल ड्रेस, इमीटेशन ज्वेलरी, गिफ्ट हेम्पर्स, सजावट के आइटम्स, लेडीज प्रसाधन आइटम, आकर्षक लेडीज बैग, पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स आदि उत्पादों के स्टाल लगाए जाएंगे। सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि इस प्रदर्शनी में हर 1 घंटे में लक्की ड्रा निकाला जाएगा, जिनमें आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। संयोजिका पुष्पा बाफना एवं सह संयोजिका मोनिका पालरेचा प्रदर्शनी में काफ़ी सक्रिय हैं । प्रदर्शनी में करीब 45 स्टाल्स के साथ ही खानपान एवं मनोरंजन हेतु स्टाल्स भी लगाए जाएंगे। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि 'मातृछाया' के साधर्मिक संगम की पहल के अंतर्गत इस प्रदर्शनी में स्टॉल्स लगाने वालों को स्टॉल निःशुल्क प्रदान किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य लघु एवं मध्यम वर्ग के जरूरतमंद उद्यमियों को अपने व्यापार और उत्पादों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी की नियोजक नीलम ललवानी ने बताया कि यह प्रदर्शनी केवल एक व्यापारिक मंच नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और सहयोग का प्रतीक है।

बीबीयूएल जैन विद्यालय का सीबीएसई परिणाम शत प्रतिशत रहा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के केआर रोड स्थित बीबीयूएल जैन विद्यालय का सीबीएसई परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में 10 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक, 28 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक एवं 34 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। स्कूल टॉपर रिषभ जी. ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए कन्नड़ एवं विज्ञान विषय में शत प्रतिशत तथा द्वितीय रहे प्रणव एस. ने 95.4 प्रतिशत अंकों के साथ कन्नड़ विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए। संस्था के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, सचिव चम्पालाल एच. मूथा, वरिष्ठ प्रधानाचार्य अनिता कश्यप तथा प्रधानाचार्य वाणी बीएन ने विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को शुभकामनाएं दी।

संभव बने महावीर दर्शन मंडल चामराजपेट के अध्यक्ष और मयूर बने मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीर स्वामी जैन मंदिर ट्रस्ट चामराजपेट के अंतर्गत महावीर दर्शन मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का चयन बुधवार को एक बैठक में हुआ। संभव रांका को अध्यक्ष पद की तथा मयूर नाहर को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा संजय बंदामुथा को उपाध्यक्ष, संजय गुलेच्छा को सहमंत्री और विकास पालरेचा को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में पूर्व पदाधिकारियों ने मंडल के विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। नई टीम ने आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस मौके पर मंडल के चेयरमैन गौतम पोरवाल, वरिष्ठ सदस्य सुशील पगारिया, प्रवीण गादिया, महेंद्र विनायकिया, मनीष पोरवाल आदि ने नई टीम को शुभकामनाएं दी।

सांप्रदायिकता रोधी बल का अन्य जिलों में भी गठन किया जा सकता है : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि तटीय जिलों में सांप्रदायिक अशांति और अपराधों से निपटने के उद्देश्य से घोषित सांप्रदायिकता रोधी बल का गठन राज्य के अन्य जिलों में भी किया जा सकता है। परमेश्वर ने यह भी कहा कि सांप्रदायिक प्रकृति की नैतिक पुलिसिंग की घटनाओं की जांच भी सांप्रदायिकता रोधी बल को सौंपी जाएगी।

गृह मंत्री ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में सांप्रदायिक अशांति को कम करने के लिए नक्सल रोधी बल (एएनएफ) की तर्ज पर सांप्रदायिकता रोधी बल की स्थापना की जाएगी। परमेश्वर ने कहा, हमने पुलिस विभाग में एक सांप्रदायिकता रोधी बल के गठन का निर्णय लिया है। पहले जब नक्सली गतिविधियां थीं, तब हमने एक नक्सल रोधी बल बनाया था, उसी तर्ज पर हम एक सांप्रदायिकता रोधी बल बनाना चाहते हैं, ताकि समाज में शांति बनी रहे।उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वहां पहले से ही ध्रुवीकरण हो रहा है और सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उन सभी चीजों पर विराम लग जाए।

परमेश्वर ने कहा, मैंने पुलिस महानिदेशक से इस संबंध में प्रस्ताव भेजने को कहा था और मुझे बताया गया है कि उन्होंने प्रस्ताव भेज दिया है। हम इसकी जांच करेंगे और सरकारी स्तर पर इसे मंजूरी देंगे। शुरुआत में मैंने दो जिलों के लिए इसकी घोषणा की है, अब हम इसे उन जिलों में भी लागू कर सकते हैं जहां सांप्रदायिक मुद्दे हैं।

तेयुप की कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर कार्यशाला का हुआ आगाज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा मंगलवार को आयोजित कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर कार्यशाला का साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में शुभारंभ हुआ। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत किया। आर्यन गोलेच्छा ने उपस्थित प्रशिक्षिका मोनिका गांधी का परिचय दिया। पहले दिन मोनिका गांधी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी बच्चों को सार्वजनिक संवाद करते समय किन किन बातों की सावधानी बरतनी चाहिए इसके बारे में बताया।

बोलते समय खड़े रहने का तरीक़ा, ड्रेस कोड कैसा हो, जनता से नजर का सम्पर्क कैसे हो, इन पहलुओं के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर अभातेयुप सीपीएस के राष्ट्रीय सलाहकार सतीश पोरवाड़, राष्ट्रीय प्रभारी एवं परिषद प्रभारी दिनेश मरोठी, सीपीएस ट्रेनर पलक दक, दिया जैन, वनिता जैन आदि अनेक तेयुप सदस्यों की उपस्थित रही। जयंतीलाल गांधी ने मंच का संचालन किया।

जीतो लेडीज विंग द्वारा मदर्स-डे पर 'हाट बाजार एवं नाश्ता गली' का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत रविवार को जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत लेडीज विंग द्वारा मदर्स डे के अवसर पर हाट बाजार एवं नाश्ता गली' का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में किया गया। लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री रक्षा छाजेड़ द्वारा कविता के माध्यम से मां का गुणगान किया गया। नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी ने सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी।

इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षिका के रूप में लिटिल यम्स की संस्थापिका पूनम अंकुर ने अपने अनुभव साझा करते हुए एक मां से एक सफल शेफ बनने तक की यात्रा बताई। उन्होंने कहा कि महिलाएं यदि आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो उसका सीधा लाभ उनके परिवार एवं समाज को मिलेगा। अन्य प्रशिक्षिका के रूप में सम्यक शॉपी बुटीक की संस्थापिका अनिता कोठारी ने अपने व्यावसायिक सफर के उतार-चढ़ाव साझा करते हुए कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सफलता के लिए केवल जज्बा और निरंतरता आवश्यक है। हाट बाजार' में महिलाओं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों की खरीददारी में भारी उत्साह देखने को मिला। वहीं नाश्ता गली' के अंतर्गत घर से काम करने वाली साधर्मिक महिलाओं को अपने बनाए स्वादिष्ट व्यंजनों की बिक्री के लिए मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मां-बेटी एवं सास-बहू के संबंधों की मिठास को दर्शाती एक सुंदर नाटिका भी प्रस्तुत की गई। अपेक्स जे-प्वाइंट संयोजिका अनिता पिरगल व अपेक्स हाउसहोल्ड मॉडल संयोजिका बिंदु रायसोनी, लेडीज़ विंग जोन संयोजिका पिंकी जैन ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर साउथ लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, पूर्व अध्यक्ष एवं मेंटर निशा सामर, सरिता खिंवेसरा, रेशमा पुनमिया, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमूथा, सहमंत्री मीना बडेरा सहित करीब 200 सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम की संयोजिका साधना धोका और सह संयोजिका प्रिया भंडारी ने व्यवस्थाएं संभाली।

तेरापंथ साध्वियों ने हनुमंतनगर स्थित डायग्नोस्टिक सेन्टर का किया अवलोकन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं सहवर्ती साध्वीश्री रम्यप्रभाजी ने बुधवार को तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा संचालित देश की 50 वां आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर सेन्टर का अवलोकन किया तथा तेयुप के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर परिषद पूर्व अध्यक्ष व डायग्नोस्टिक सेन्टर के संयोजक गौतम खाब्या ने सेन्टर के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने साध्वियों को बताया कि सेन्टर में बहुत ही रियायती मूल्य पर रक्त परीक्षण एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस मौके पर महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक आदि उपस्थित थे।

पुरस्कार

बुधवार को बेंगलूरु में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. एम.एस. मणि की पुस्तक ओलाकोव का विमोचन 'कावेरी निवास' पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया और इस मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह पुरस्कार पांच उपलब्धि प्राप्त करने वालों को प्रदान किए गए।

'चुनाव पूरी तरह बांग्लादेश का आंतरिक मामला'

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के एक शीर्ष सहयोगी ने कहा है कि चुनाव पूरी तरह देश का आंतरिक मामला है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक था। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने हसीना की अवामी लीग की गतिविधियों पर लगाए गए प्रतिबंध पर भारत द्वारा व्यक्त चिंताओं पर प्रतिक्रिया दी। बांग्लादेश ने सोमवार को रातों-रात संशोधित आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग को आधिकारिक रूप से भंग कर दिया।

आलम ने मंगलवार को सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संवाद संस्था' (बीएसएस) से कहा, ''चुनाव पूरी तरह से हमारा आंतरिक मामला है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग्रीष्मकालीन शिविर : बेंगलूरु के अखिल कर्नाटक मक्कलकूटा द्वारा चामराजपेट के कल्याणम्मा बाल खेल मैदान में 57वां सांस्कृतिक, शिक्षण व मनोरंजक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में शहर के अनेक बच्चों ने भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। इस शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र मुणोत ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। संस्था के मोहनदेव आल्वा, एमके शैलजा आल्वा एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुणोत का सम्मान किया ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.